वर्ष-10, अंक-194
इन्दौर, शुक्रवार
11 अक्टूबर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

चाणक्य नीति

चाणक्य कहते हैं कि अधिक लाड़ प्यार करने से बच्चों में अनेक दोष उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए यदि वे कोई गलत काम करते हैं तो उसे नजरअंदाज करके लाड़-प्यार करना उचित नहीं है। बच्चे को डाँटना भी आवश्यक है। -चाणक्य

देवी का नवम स्वरूप सिद्धिदात्री

ध्यान मन्त्रः
सिद्धगन्धर्वयक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि ।
सेव्यमाना सदा भूयात् सिद्धिदा सिद्धिदायिनी ।।
!! स्तोत्र !!
कञ्चनाभा शङ्खचक्रगदापद्मधरा मुकुटोज्वलो।
स्मेरमुखी शिवपत्नी सिद्धिदात्री नमोऽस्तुते॥
पटाम्बर परिधानां नानालङ्कार भूषिताम्।
नलिस्थिताम् नलनार्क्षी सिद्धीदात्री नमोऽस्तुते॥
परमानन्दमयी देवी परब्रह्म परमात्मा।
परमशक्ति, परमभक्ति, सिद्धिदात्री नमोऽस्तुते॥
विश्वकर्त्री, विश्वभर्त्री, विश्वहर्त्री, विश्वप्रीता।
विश्व वार्चिता, विश्वातीता सिद्धिदात्री नमोऽस्तुते॥
भुक्तिमुक्तिकारिणी भक्तकष्टनिवारिणी।
भवसागर तारिणी सिद्धिदात्री नमोऽस्तुते॥
धर्मार्थकाम प्रदायिनी महामोह विनाशिनीं।
मोक्षदायिनी सिद्धीदायिनी सिद्धिदात्री नमोऽस्तुते॥
सिद्धिदात्री कवच
ऊँ कारः पातु शीर्षो मां, ऐं बीजम् मां हृदयो।
हीं बीजम् सदापातु नभो गृहो च पादयो॥
ललाट कर्णो श्रीं बीजम् पातु क्लीं बीजम् मां नेत्रम्? घ्राणो।
कपोल चिबुको हसौ पातु जगत्प्रसूत्यै मां सर्ववदनो॥

राजीव नन्दन मिश्र
सरना, भोजपुर (बिहार)
मो. -7004235870

देश के महानायक टाटा का निधन

अलविदा हुए... रतन

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय उद्योग जगत के स्तंभ और टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन रतन नवल टाटा का 86 वर्ष की आयु में मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थे और उनका इलाज जारी था। उनके निधन से उद्योग और समाज सेवा के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है।

रतन टाटा ने अपने कुशल नेतृत्व और नैतिक सिद्धांतों से टाटा समूह को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और भारतीय उद्योग में अपनी अमिट छाप छोड़ी। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह,गृहमंत्री अमित शाह,नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शोक व्यक्त किया है। टाटा संस के वर्तमान चेयरमैन एन चंद्रशेखर ने एक बयान में कहा, रतन टाटा का निधन हमारे लिए व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से एक बड़ी क्षति है। वह एक असाधारण नेता, प्रेरणास्त्रोत और मेरे लिए एक मार्गदर्शक थे। उनके सिद्धांत और मूल्य हमें हमेशा प्रेरित करेंगे। चंद्रशेखर ने यह भी कहा कि टाटा का परोपकार और समाज सेवा के प्रति समर्पण उन्हें एक विशेष व्यक्ति बनाता है।रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं, जिनमें टाटा नैनो और जगुआर-लैंड रोवर का अधिग्रहण प्रमुख थे। उनकी दृष्टि और उद्योग के प्रति समर्पण ने टाटा समूह को वैश्विक पहचान दिलाई। उन्होंने हमेशा व्यापार को समाज के प्रति एक जिम्मेदारी के रूप में देखा और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन पर देशभर में शोक की लहर है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने शोक संदेश में कहा, रतन टाटा के निधन से गहरा दुख हुआ है। वे भारतीय उद्योग के पथप्रदर्शक थे और उनकी सरलता, विनम्रता, और देशभक्ति को हमेशा याद किया जाएगा। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। रतन टाटा ने 1991 में टाटा समूह की बागडोर संभाली और उसे एक छोटे से पारिवारिक व्यवसाय से एक वैश्विक समूह में परिवर्तित किया। उनके नेतृत्व में टाटा समूह ने न केवल वित्तीय सफलता हासिल की, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी निभाया। रतन टाटा का निधन भारतीय उद्योग और समाज सेवा के क्षेत्र में एक युग के अंत का प्रतीक है। उनकी सादगी, दूरदर्शिता, और जनकल्याण के प्रति समर्पण ने उन्हें जनता के दिलों में विशेष स्थान दिलाया। उनकी विरासत हमेशा प्रेरणादायक रहेगी। राजकीय सम्मान के साथ विदा होंगे टाटा रतन टाटा का पार्थिव शरीर मुंबई के कोलाबा स्थित उनके बंगले में रखा गया है, जहां से आज उन्हें राजकीय सम्मान के साथ विदा किया जाएगा। सुबह 9-45 बजे उनके पार्थिव शरीर को कोलाबा से एनसीपीए (नेशनल सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स) ले जाया जाएगा, जो 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। मुंबई पुलिस ने इस यात्रा के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया है। एनसीपीए में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक उनके अंतिम दर्शन के लिए पार्थिव शरीर रखा जाएगा, और इसके बाद उन्हें वर्ली ले जाकर पारसी रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार किया जाएगा।

क्रिकेट जगत ने दी रतन टाटा को श्रद्धांजलि, बोले देश ने एक महान रत्न खो दिया

देश के सबसे बड़े कारोबारी समूहों में शामिल टाटा संस के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा को क्रिकेट जगत ने भी श्रद्धांजलि दी है। रतन टाटा का बुधवार रात को 86 साल की उम्र में निधन हो गया था। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांसें ली। उनके निधन से देश भर में शोक की लहर है। भारतीय क्रिकेटरों ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने श्रद्धांजलि देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, हमने देश के एक सच्चे रत्न को खो दिया है। श्री रतन टाटा जी। उनका जीवन हम सबके लिए प्रेरणास्रोत है। आप हमेशा हमारे दिल में रहेंगे। ओम शांति। वहीं पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने श्रद्धांजलि देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, भारत ने आज एक सच्चे आइकन को खो दिया। रतन टाटा सर के दूरदर्शी नेतृत्व, उनकी करुणा और परोपकार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने हमारे देश और दुनिया पर एक अलग छाप छोड़ी है। उनकी विरासत हम सभी को प्रेरणा देती रहेगी। ओम शांति। वहीं हरभजन सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा, सतनाम वाहेगुरु, रतन टाटा जी आधुनिक भारत के निर्माताओं में से एक के रूप में हमेशा हमारे दिलों में बने रहेंगे। उनके नेतृत्व, विनम्रता और नैतिकता और मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने एक ऐसा मानदंड स्थापित किया जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उनकी विरासत को हमेशा याद किया जाएगा, न केवल उनके द्वारा बनाई गई कंपनियों के लिए, बल्कि उन अनगिनत जिंदगियों के लिए भी, जिन्हें उन्होंने अपनी करुणा और उदारता से छुआ।

उमर अब्दुल्ला चुने गए विधायक दल के नेता

नेशनल कॉन्फ्रेंस को मिला 4 निर्दलीय विधायकों का समर्थन

जम्मू कश्मीर (एजेंसी)।

नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 90 सदस्यीय विधानसभा में 46 सीटों के साथ बहुमत के आंकड़े के साथ 42 सीटें जीती हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस की सहयोगी कांग्रेस को छह सीटें मिली हैं। हालाँकि, 4 स्वतंत्र विधायकों के समर्थन से, एनसी को अपने दम पर बहुमत मिल गया है और वह कांग्रेस पर भरोसा करने के लिए बाध्य नहीं है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित करने के बाद, चार निर्दलीय विधायक गुरुवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन में शामिल हो गए। एनसी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को सर्वसम्मति से नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक दल का प्रमुख चुना गया। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि विधायक दल की एक बैठक हुई जहां सभी ने सर्वसम्मति से उमर अब्दुल्ला को अपना नेता चुना। उन्होंने कहा कि सरकार गठन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए चुनाव पूर्व गठबंधन सहयोगियों की एक बैठक शुक्रवार को होगी। उमर अब्दुल्ला ने कहा क आज नेशनल कॉन्फ्रेंस विधायक दल की बैठक में मुझे विधायक दल का नेता चुना गया है। मैं विधायकों का आभार व्यक्त करता हूं। कांग्रेस से समर्थन पत्र लेने के लिए बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि 4 निर्दलीय विधायकों ने भी नेशनल कॉन्फ्रेंस को अपना समर्थन दिया है। अब एनसी की संख्या 42 प्लस 4 निर्दलीय विधायक हैं। कांग्रेस का पत्र मिलने के बाद हम राजभवन जाकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 90 सदस्यीय विधानसभा में 46 सीटों के साथ बहुमत के आंकड़े के साथ 42 सीटें जीती हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस की सहयोगी कांग्रेस को छह सीटें मिली हैं।

भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

रायसेन (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के रायसेन जिले के विजन्हाई ग्राम के पास आज सुबह मोटरसाइकिल सवार एक परिवार को यात्री बस ने कुचल दिया जिसमें एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। उदयपुरा पुलिस सूत्रों के अनुसार मोटरसाइकिल सवार संतोष शर्मा तथा उनके तीन बच्चे कहीं जा रहे थे। इसी दौरान विदिशा से उदयपुरा जा रही निजी यात्री बस ने मोटरसाइकिल को कुचल दिया, जिससे संतोष शर्मा और उनके दोनों पुत्र अंश और ओम शर्मा की वहीं मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल बेटी प्रियांशी को भोपाल रेफर किया गया है। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए उदयपुरा अस्पताल भेजा है।

सपा और कांग्रेस का गठबंधन बरकरार रहेगा : अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। सपा और कांग्रेस ने 'इंडिया' के तहत पिछला लोकसभा चुनाव लड़ा था जिसमें बेहतर प्रदर्शन करते हुए सपा ने उत्तर प्रदेश में 37 और कांग्रेस ने छह सीटों पर जीत हासिल की थी।

समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी और विपक्ष के 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) की सहयोगी कांग्रेस का गठबंधन बरकरार रहेगा। उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। सपा द्वारा बुधवार को इनमें से छह सीटों के लिये उम्मीदवार घोषित किये जाने के बाद सपा और कांग्रेस के गठबंधन के बरकरार रहने को लेकर उठ रही आशंकाओं के बीच अखिलेश का यह बयान महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यादव ने इटावा के सैफई में अपने पिता मुलायम सिंह यादव की दूसरी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कांग्रेस से गठबंधन जारी रहने की सम्भावनाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा, आज समय नहीं है इस पर चर्चा का। मगर जहां तक इंडिया गठबंधन का सवाल है तो मैं कहना चाहूंगा कि सपा और कांग्रेस का गठबंधन रहेगा। सपा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की पराजय के एक दिन बाद बुधवार को उपचुनाव वाली 10 में से छह सीटों फूलपुर, मझवां, करहल, कटेहरी, मिल्कीपुर और सीसामऊ पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिये। कांग्रेस उनमें से फूलपुर और मझवां सीटों पर दावेदारी कर रही थी।

हिजबुल्लाह ने इजरायली क्षेत्र की ओर 360 गोले दागे

यरूशलम, (एजेंसी)। इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने कहा कि लेबनानी शिया आंदोलन हिजबुल्लाह ने इजरायल की ओर 360 गोले दागे, जिनमें से लगभग 220 इजरायली क्षेत्र में पहुंचे। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर कहा, आज रात (बुधवार, 09 अक्टूबर) 23:00 बजे तक, हिजबुल्लाह आतंकवादी संगठन ने लेबनान से इजरायली क्षेत्र की ओर 360 गोले दागे, जिनमें से लगभग 220 गोले इजरायल में प्रवेश कर गए।

'हम पर चिल्लाते रहते हैं'

नाराज वकीलों ने CJI चंद्रचूड़ से कर दी जजों की ही शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की कई बार एसोसिएशन ने चीफ जस्टिस सी वाई चंद्रचूड़ को एक चिट्ठी लिखी है। उस चिट्ठी के जरिए मांग की गई है सुनवाई के दौरान वकीलों से सही तरह से बात की जाए, जजों को भी मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए, किसी भी वकील का अपमान नहीं होना चाहिए। असल में मद्रास हाई कोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन, तमिलनाडु बार एसोसिएशन और पुडुचेरी बार एसोसिएशन ने सीजेआई चंद्रचूड़ को एक चिट्ठी लिखी है। उस चिट्ठी में जोर देकर कहा गया है कि वकीलों के साथ भी सम्मानजनक भाषा का इस्तेमाल होना चाहिए, जो जज खुद को वकील से ज्यादा बड़ा मानते हैं, उन पर चिल्लाते हैं, इस प्रकार के व्यवहार पर रोक लगनी चाहिए। एक जारी बयान में बोला गया है कि वकील और जज न्याय प्रशासन में एक समान अधिकार और हिस्सेदारी रखते हैं। लेकिन फिर भी कुछ जजों को ऐसी गलतफहमी हो गई है।

शरणार्थी शिविर पर हमला, 6 की मौत

बेरूत (एजेंसी)। इजरायल ने दक्षिणी लेबनान के वर्दानियेह बस्ती में एक अस्थायी शरणार्थी शिविर पर हवाई हमला किया, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी बचाव सेवा के एक कर्मचारी ने स्पुतनिक को दी। बचाव सेवाकर्मी ने बुधवार को कहा, ÷फिलहाल, इस शिविर पर इजरायली हमले के बाद, हम छह शव बरामद करने और 15 घायलों को बचाने में सफल रहे हैं, जिनमें से कई को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्पुतनिक ने कहा कि कि खोज और बचाव अभियान जारी है, जिसमें कई दर्जन लोग शामिल हैं और जिस स्कूल की इमारत में शरणार्थी रहते थे, वह भारी क्षतिग्रस्त हो चुकी है।

हरियाणा में हार पर कांग्रेस में मंथन, हुड्डा और सैलजा नहीं हुए शामिल, राहुल का चौंकाने वाला दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि हम इस नुकसान को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। एग्जिट पोल में जनता एक सुर में कह रही थी कि कांग्रेस (हरियाणा में) सरकार बनाएगी।

हमें इसकी जड़ तक जाने की जरूरत है। हरियाणा में कांग्रेस की हार ने पार्टी को परेशान कर रखा है। इसी को लेकर आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पार्टी की बड़ी बैठक हुई। इस बैठक में राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत, कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन और अन्य नेता शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस नेता अजय माकन ने कहा कि हमने हरियाणा चुनाव नतीजों पर समीक्षा बैठक की। चुनाव नतीजे अभूतपूर्व थे। एग्जिट पोल और वास्तविक नतीजों में बहुत अंतर था। हमने तय कर लिया है कि हम आगे क्या करेंगे। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि हम इस नुकसान को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। एग्जिट पोल में जनता एक सुर में कह रही थी कि कांग्रेस (हरियाणा में) सरकार बनाएगी। हमें इसकी जड़ तक जाने की जरूरत है। वहीं, सूत्रों का दावा है कि इस बैठक में राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा है कि नेताओं ने निजी हित को पार्टी से ऊपर रखा है। इस बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा के नहीं शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर माकन ने कहा कि जिनको बुलाया गया था, वो सभी आए थे। कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम से जुड़ी शिकायतों के बारे में बुधवार को निर्वाचन आयोग को अवगत कराया था और इनकी जांच की मांग की थी। मुख्य विपक्षी दल के वरिष्ठ नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से यह आग्रह भी किया था कि उन इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को जांच पूरी होने तक सील करके सुरक्षित रखा जाए, जिनको लेकर सवाल उठे हैं। कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों को 'अप्रत्याशित' और 'लोक भावना के खिलाफ' करार देते हुए मंगलवार को कहा था कि इस जनादेश को स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि राज्य में 'तंत्र की जीत और लोकतंत्र की हार' हुई है।

संपादकीय

टाटा समूह की विरासत के गौरव रतन टाटा का निधन

भारत के रत्न कहे जाने वाले सुप्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा का 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। टाटा समूह की विरासत के वह एक ऐसे उत्तराधिकारी थे, जिन्होंने अपने पूर्वजों की तरह अपने औद्योगिक साम्राज्य को देश और विदेश तक पहुंचाने में अग्रणी भूमिका का निर्वाह किया। टाटा समूह के संस्थापक जेआरडी टाटा के वह चौथे वंशज थे। रतन टाटा ने अपने जीवन-काल में टाटा समूह की दौलत को बड़ी तेजी के साथ बढ़ाया। उन्होंने नैतिक मूल्यों और सादगी के साथ सामाजिक दायित्वों को पूरा किया। उन्होंने टाटा समूह के कारोबार को नैतिकता के साथ बढ़ाया। सामाजिक दायित्व में भारत के हर नागरिक के बीच में अपनी और टाटा समूह की विशिष्ट छाप छोड़ी। उन्होंने भारत के गौरव, भरोसे और कारोबार की पताका दुनिया के कई देशों में फहराई है। सारी दुनिया को रतन टाटा ने जो संदेश दिया, उसकी गूंज अब दुनिया के सभी देशों में सदियों तक सुनाई देगी। 1868 में अंग्रेजों के शासनकाल में टाटा समूह की स्थापना हुई थी। टाटा समूह को भारत में औद्योगिक क्रांति के रूप में पहचाना जाता है। टाटा समूह की चार पीढ़ियों के इस लंबे सफर में, नैतिकता के साथ उद्योग और व्यापार में आगे बढ़ाते हुए, पूंजीवाद और समाजवाद का तालमेल और भारतीय संस्कृति का बेहतर उदाहरण, टाटा समूह की हर पीढ़ी ने देश के सामने रखा है। रतन टाटा ने शादी नहीं की थी। उन्होंने विदेशों में पढ़ाई की। लेकिन उन्हें यूरोप की हवा नहीं लगी। वह तन और मन से हमेशा भारतीय बने रहे। 1868 से लेकर अभी तक टाटा समूह ने हमेशा नवाचार करके उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में विशिष्टता के साथ काम करते हुए स्टील, ऑटोमोबाइल, डेटा इनोवेशन, नमक, केमिकल, चिकित्सा और शोध के क्षेत्र में उत्कृष्टता के साथ काम किया है। टाटा समूह ने नैतिकता और संस्कारों के साथ कभी कोई समझौता नहीं किया। टाटा समूह व्यापार को नैतिकता के साथ करने के लिए जाना जाता है। कर्मचारियों और सामाजिक दायित्व को लेकर टाटा समूह हमेशा सजग रहा। सही मायने में टाटा समूह भारत में औद्योगिक क्रांति लाने के लिए जाना जाता है। 1907 में टाटा समूह ने स्टील प्लांट की स्थापना करके भारत में औद्योगिक क्रांति का शंखनाद किया था। टाटा समूह ने पिछले वर्षों में आईटी के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। विभिन्न व्यवसाय में हमेशा आगे बढ़कर हर चुनौती को स्वीकार किया है।

अबके सफाई करते सोच रहा हूं कि....

जबसे दीपावली आने की सेल ने शुभ सूचना दी है, बीवी पूरे घर की सफाई के बहाने पिछले साल ही सेल में खरीदा सारा सामान घर से, स्टोर से निकलवाने पर आमादा है ताकि अबके फिर सेल का नया सामान घर में ठूंस ठूंस कर भरा जा सके। दीपावली की सेल के दिन ही तो केवल ऐसे दिन होते हैं जब एक के साथ चार चार गिफ्ट में फ्री मिलते हैं, चाहे कुत्ते हों, या फिर जूते। दीपावली की सेल के दिन ही तो ऐसे दिन होते हैं जब घर की हर चार दिन पहले ही खरीदी चीज भी सदियों पुरानी लगने लगती है। पड़ोसी की देखादेखी मैं उससे भी बढ़चढ़ कर घर की सफाई में बीवी के कुशल निर्देशन में पूरी ईमानदारी से जुटा हूं। या कि आप यों भी समझ सकते हैं कि घर की सफाई का सारा काम बीवी के दिशा निर्देशन के तले मेरे कर कमलों द्वारा हो रहा है। वैसे भी रिटायरमेंट के बाद अब मेरे पास करने को आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं बचा है। कभी ऑफिस में तो ईमानदारी से कुछ किया नहीं, पर अब इसलिए दीपावली की सफाई में पूरी ईमानदारी से जुटा घर में रगड़ रगड़ कर झाड़ू पोंछा लगा रहा हूं ताकि दूसरे जन्म में झाड़ू पोंछा न करना पड़े। पिछले जन्म के भुक्त भोगी कहते हैं कि जो इस जन्म में झाड़ू पोंछा न करो तो वह अगले जन्म में करना पड़ता है। इसलिए मैं इस जन्म में ही झाड़ू पोंछा लगा झाड़ू पोंछे से मुक्त हो जाना चाहता हूं ताकि अगले जन्म में जो मैं पति बनूं तो कम से कम बीवी तो झाड़ू पोंछा लगाने वाली मिले , लगवाने वाली नहीं। दीपावली की सेल के आगमन को देखते हुए बीवी जब आंखें मूंदे चार दिन पहले ही खरीदी वस्तुओं को सीना तान आउट डेटिड बात कबाड़ी के हवाले कर रही होती है तो डर जाता हूं कि कहीं मुझ आउट डेटिड को भी कहीं वह कबाड़ के साथ कबाड़ी के हवाले न कर दे। वैसे भी रिटायरमेंट के बाद जीव भंगार ही तो होता है, चाहे वह कितनी ही पेंशन क्यों न लेता हो, चाहे वह कितने ही अच्छे पद से मुंह आगे बिना किसी लांछन के रिटायर क्यों न हुआ हो। मित्रो! अब हमारे घर का दीपावली की नई सेल का सफाई अभियान लगभग पूरा हो चुका है। स्टोर में सेल का सामान लाने के लिए जरूरत से अधिक जगह बन गई है। बीवी दीपावली की सेल का इंतजार पलकें बिछाए कर रही है। दीपावली की सेल से विमुख पता नहीं कौन होंगे जो पलकें बिछाए राम का कर रहे होंगे। इन दिनों तो बारहमासी पुजारी तक मंदिर के बदले सेल में घूमते रहते हैं। अब मेरे ही नहीं, घड़ी के भी बारह बज चुके हैं। मैं बीवी से नजरें बचा झाड़ू दीवार के सहारे खड़ा कर आराम फरमा रहा हूं। आराम फरमाते फरमाते सोच रहा हूं कि इस दीपावली क्यों न मैं भी अपने दिमाग के स्टोर की सफाई कर लूं। टेंपों तो बना हुआ ही है। बरसों पुराना सड़ा फड़ा अब इस दिमाग के स्टोर में कब तक रखे रखूं? इतने साल हो गए। कभी अपने दिमाग की सफाई नहीं की। जो भी जहां से भी मिला, उसे अपने दिमाग के स्टोर में घुसेड़ता रहा, यही सोचकर कि क्या पता, कब काम आ जाए। बस, इसी चक्कर में दिमाग का स्टोर इतना भर गया है कि अब उसमें तिल धरने को भी जगह नहीं।

फौज़ी अंकल!

तमिलनाडु एक्सप्रेस ने सही समय पर सुबह नयी दिल्ली पहुँचा दिया था। स्टेशन से बाहर निकलते ही अनामिका द्वारा प्रतीक्षारत प्रीबुकिंग टैक्सी में बैठते ही मन में उत्सुकता बढ़ती चली जा रही थी। उस वक़्त मन में बस यही उतावली मची हुई थी कि अब जल्दी से चंदनपुर पहुँच जाएँ और सुनील जी की दुकान पर पहुँच जाएँ। मुझे कुछ दिनों पहले ही पता चला था कि उन्होंने आजकल कन्फेक्शनरी की दूकान खोल ली है, तभी से मेरे मन में उनकी दूकान देखने की इच्छा प्रबल होती जा रही है। यूँ भी मुझे अपने परिचित की दूकान का होना बहुत अच्छा लगता है। पहले मेरठ में मेरे बड़े भाईसाहब राजेश जी की बहुत बड़ी बिजनेस थी, उस समय मैं भी दिल्ली में रहा करता था तो जब भी समय मिलता मैं मेरठ आकर उनकी बिजनेस देखता रहता था। बाद में कुछ अपरिहार्य कारणोंवश वह बिजनेस छोड़नी पड़ी, जिसका मुझे बेहद दुःख हुआ था। इसीलिए अब सुनील जी की दूकान खुलने से कुछ पुरानी स्मृतियाँ ताज़ा हो गईं हैं। इस दूकान में पहले भी एक हमारे रिश्तेदार भाई की दूकान हुआ करती थी पर वो यह शहर छोड़कर दूसरी जगह चले गए और यह दूकान बंद हो गई और फ़िर कोविड के दौरान और बाद में भी यह बंद ही पड़ी थी। आजकल दूकान और मकान किराए पर हर किसी को नहीं दिए जाते क्योंकि किराएदार कब रंग बदलकर मालिक बनने का ख़्वाब देख ले, पता ही नहीं चलता। इसलिए इसके लिए कोई परिचित, ईमानदार और भरोसेमन्द व्यक्ति का मिलना ज़रुरी होता है। लेकिन सुनील जी का व्यवहार और आचरण बहुत अच्छा है। सभी से मिलजुलकर रहना, हँसकर बोलते हुए चलना, वक़्त पर काम आना उनकी प्रवृत्ति है। दिल से भी वो बहुत सीधे-सच्चे और नेक बन्दे हैं। नेकी कर दरिया में डाल, उनकी नीति रही है। मैं आपको बताता चलूँ कि वो पिछले पाँच बरस से फौज से [illegible] सेवानिवृत्ति लेकर यहाँ [illegible] परिवार के साथ रह रहे हैं [illegible] दूकान करने की इच्छा [illegible] बहुत थी पर उनकी पत्नी [illegible] को इस बात का भय था कि [illegible] सादे और मृदुल व्यवहार [illegible] में कहीं यह दूकान उधारी [illegible] लुटा दें, इसीलिए अब [illegible] रिस्क नहीं लिया था। यूँ भी [illegible] का अपना वक़्त होता है [illegible] पूर्व होना नामुमकिन ही होता [illegible] फिर सुप्रसिद्ध कवि [illegible] बच्चन जी का कथन कि [illegible] तो अच्छा और मन का [illegible] उससे भी ज्यादा अच्छा। [illegible] यह है कि जब हमारे मन [illegible] होता है तो हमें बहुत दुःख होता [illegible] हम तब यह नहीं जानते कि [illegible] इससे अच्छा ऑफर हमारे लिए [illegible] हुआ है, जिसको कालान्तर [illegible] हम प्रसन्न हो उठते हैं और [illegible] प्रसंग को स्मरण कर अपनी [illegible] पर हँस उठते हैं। अब सभी [illegible] राय होने पर ऐसा लगा कि [illegible] प्रकृति का संकेत है और [illegible] समय आ गया है। लिहाज़ा [illegible] मालिक से सुनील जी ने [illegible] दूकान किराए पर लेने [illegible] उठाई, वह तुरन्त खुशी-खुशी [illegible] लिए राज़ी हो गए और [illegible] अतिरिक्त भी अन्य सहयोग [illegible] लिए उद्यत हो उठे। बस [illegible] था? देखते ही देखते दो [illegible] सुनील जी की दूकान शुरू [illegible] इस जगह से वो बरसों से [illegible] क्योंकि इसी कस्बे के पास [illegible] गाँव भी है। यहीं से अपनी [illegible] करके वो सर्विस में गए थे [illegible] फिर से यहीं अपना मकान [illegible] उसमें आ बसे हैं। उनके [illegible] दोनों ने उच्च शिक्षा (बीटेक [illegible] मैनेजमेंट) ग्रहण की है और [illegible] विवाह हो गए हैं और आज [illegible] सेवारत हैं। सारा परिवार [illegible] रहता है। उनके परिवार को [illegible] सुप्रसिद्ध कवि सुरेन्द्र शर्मा [illegible] बात याद आ जाती है कि [illegible] भले ही बड़े-बड़े पैकेज लेकर [illegible] में या किसी बड़ी एमएनसी [illegible] म [illegible] मैनेजर क [illegible] कार्य न करता हो और इसी शहर में मात्र पचास हजार ही कमाता हो पर वह जब रात्रि का भोजन मेरे और परिवार के साथ बैठकर करता है तो मुझे लगता है कि इससे बड़ा कोई पैकेज नहीं हो सकता।' उनकी यह बात एकदम सही है और पास में रहने वाला बेटा माता-पिता का अंतिम संस्कार भी खुद ही संपन्न करेगा वरना आजकल तो विदेश में बैठा बेटा मित्रों की मदद से इसका भी लाइव प्रसारण ही देखकर अपने कर्त्तव्य की इतिश्री कर लेता है। मेरा तो निजी मत यही है-जिसका साथ है घर परिवार, उसी का जीवन है साकार! क्या फ़ायदा उस धन का कि वक़्त पर हम अपनों के काम न आ सकें! तमाम गहराई लिए वाजपेयी जी की कविता की पंक्तियाँ अनायास ही यहाँ स्मरण हो उठी हैं- '...सच्चाई यह है कि, केवल ऊँचाई ही काफ़ी नहीं होती, सबसे अलग-थलग, परिवेश से पृथक, अपनों से कटा-बँटा, शून्य में अकेला खड़ा होना, पहाड़ की महानता नहीं, मजबूरी है। ऊँचाई और गहराई में, आकाश-पाताल की दूरी है। जो जितना ऊँचा, उतना एकाकी होता है, जो जितना ऊँचा, उतना एकाकी होता है, हर भार को स्वयं ढोता है, चेहरे पर मुस्कानें चिपका, मन ही मन रोता है। ज़रूरी यह है कि, ऊँचाई के साथ विस्तार भी हो, जिससे मनुष्य, ठूँठ सा खड़ा न रहे, औरों से घुले-मिले, किसी को साथ ले, किसी के संग चले। धरती को ऊँचे कद के इंसानों की जरूरत है, भीड़ में खो जाना, यादों में डूब जाना, स्वयं को भूल जाना, अस्तित्व को अर्थ, जीवन को सुगंध देता है। धरती को बौनों की नहीं, ऊँचे कद के इंसानों की जरूरत है। इतने ऊँचे कि आसमान छू लें, नये नक्षत्रों में प्रतिभा की बीज बो लें, किन्तु इतने ऊँचे भी नहीं, कि पाँव तले दूब ही न जमे, कोई काँटा न चुभे, कोई कली न खिले। न वसंत हो, न पतझड़, न वसंत हो, न पतझड़, हो सिर्फ ऊँचाई का अंधड़, मात्र अकेलेपन का सन्नाटा। मेरे प्रभु! मुझे इतनी ऊँचाई कभी मत देना, गैरों को गले न लगा सकूँ, इतनी रुखाई कभी मत देना।' लिहाज़ा, लब्बोलुआब यही है अब सभी जिम्मेदारियों से मुक्त होने के बाद सुनील जी ने अपना मन लगाने के लिए यह दुकान अपने घर-परिवार के साथ रहते हुए खोल ली है। यह उनके घर की गली के नुक्कड़ पर ही घर से मुश्किल से पचास मीटर की दूरी पर है। तो चाय, पानी आदि की व्यवस्था सहज रूप से घर से ही हो जाती है। घर के कामकाज निपटाकर उनकी धर्मपत्नी भी थोड़ी-बहुत देर के लिए वहाँ चली आती हैं। सड़क से गुजरते हुए मिलने-जुलने वाले परिचित, सगे-सम्बन्धी भी रुककर हालचाल मालूम करते रहते हैं। इस सबके अतिरिक्त सूना है कि इनके यहाँ बच्चों का भी खूब आना जाना लगा रहता है। मैं तो अभी और भी न जाने कितने ही ख़यालों में खोया रहता पर मुझे हिलाते हुए मेरे छोटे पुत्र अंकित ने कहा, पापा जी उतरिए, हम गन्तव्य पर पहुँच गए हैं। मैंने निगाह उठाकर देखा तो सामने ही 'सतगुरु जनरल स्टोर' लिखा दिखाई पड़ा। हम सब जैसे ही गाड़ी से उतरकर दूकान की तरफ़ गए तो देखा कि बालटोली दूकान पर जमी है और सुनील जी उन्हें कुछ कहानी सुना रहे हैं। हमें देखते ही उन्होंने बच्चों को कुछ खाने-पीने की वस्तुएं देकर विदा किया और वो भी समवेत स्वर में 'थैंक्यू फ़ौजी अंकल' कहकर भाग गए। सुनील जी आदि से परस्पर अभिवादन के पश्चात बात चलीं तो उनकी धर्मपत्नी ने बताया कि इसी तरह छुट्टी के दिन खूब सारे बच्चे आते रहते हैं और सुनील जी उनसे स्कूल की बात पूछते है और सब बच्चों को कहानी सुनाते हैं, उन्हें ख़ूब अच्छे से पढ़ने की नसीहत देते हैं और समय मिलने पर उनको फ़ौज की और देशभक्ति की भी खूब बात सुनाते हैं, जिससे बच्चे प्रफुल्लित और उत्साहित रहते हैं और अब न जाने कितने ही बच्चे फ़ौज में जाकर देश की सुरक्षा और सेवा करने की बात भी करते हैं। सुनील जी उन्हें टॉफी, चाकलेट आदि खिलाते रहते हैं। इस तरह बच्चों की एक बड़ी टोली उनकी बहुत बड़ी फैन बन गई है। तभी सामने से एक नयी टोली दूर से ही 'फ़ौजी अंकल! फ़ौजी अंकल!' पुकारती दौड़ी चली आ रही थी और हम सब देख रहे थे कि सुनील जी के चेहरे पर स्मित मुस्कान उभर आयी है। हमें यह देखकर बहुत खुशी हुई कि घर-गृहस्थी के लिए धनोपार्जन करने के अतिरिक्त सुनील जी इस दूकान के माध्यम से एक नयी पौध को सुविचारित, संस्कारित और सुसभ्य बना देश की सेवा के लिए तैयार कर रहे हैं। उनके फ़ौजी मन से देशभक्ति और देशप्रेम की सुरभि चारों ओर बिखरती नज़र आ रही थी और मुझे तभी प्रो. वसीम बरेलवी जी का यह शेर स्मरण हो आया-जहाँ रहेगा वहीं रौशनी लुटाएगा, किसी चराग़ का अपना मकाँ नहीं होता।

डा. सारिका मुकेश
तमिलनाडु

यहां खाये नही सुते जाते है

हमारे देश में भोय पदार्थ सिर्फ खाये नहीं जाते,बल्कि बाफले, सूते जाते हैं।बेक समोसा, फंसाया जाता है।कचोरी दबाई, जाती है,रसगुल्ले निपटाए जाते हैं।दाल- बाटी, जीमी जाती है।छोले भटूरे, पेले जाते हैं।लस्सी, छकी जाती है,कढ़ी चावल, सपेड़े जाते हैं।दूध, गटका जाता है।चाय, सुड़की जाती है,खिचड़ी, खाई जाती है,लड्डू-पेड़े, उड़ाए जाते हैं,रबड़ी, चाटी जाती है।पान नोश फरमाए जाते हैं और दाल भात लपेटा जाता है।आलू बड़े सलटाये जाते है।पूरणपोली भसकी जातीहै,दहीबड़ा निपटाया जाता हैं, पोहे निपटाए जातेहै,शिकंजी गटकाई जाती है,नींबू पानी कंठ तर करने हेतु नीचे उतारा जाता है।शर्बत,ठंडाई मस्ती बिखेरने हेतु पी जाती है।सदाबहार सूखी रोटी तृप्ति हेतु भक्षण की जाती है।सादगी से रहने वास्ते दाल के साथ रोटी खाने का उपदेश बुजुर्ग देते है।गरीबी में गीला आटा होने पर कभी साल-छह महीने में पराठे निपटाए जाते है।दीवाली की मस्ती में मठरी मचकाई जाती है।हमारे घाट नीचे फसल की बौनी के शुभ मुहूर्त पर गेहूं की घुँघरी लपक के मचकाई जाती है।मुफलिसी में मजबूरन कम घी का हलवा, लापसी कड़ी लप्पक के भूख में ठूंसी जाती है।तेज़ कड़क भूख में जब औंधे पड़ रहे हो तो सूजी का उपमा,नी मामा से काना मामाकी तर्ज पर सटकाया जाता है गले के नीचे?जब अगले के ऊपर भारी सा कर्जा हो तो असहाय होकर बंदा जलेबी झाड़ता है।कर्ज लेकर घी पीने के सिद्धांत पर कई महामना नीची मुंडी कर बाटी,चूरमा उड़ाते है।सिरदर्द होने पर कई हुजूर अपने खाते में उधारी नोंद कराकर खसखस के दाने को शुध्द घी में फ़्राय कर सुड़कते है।जब हम कॉलेज में पढ़ते थे तब माह के पैंतीस दिन तक बघरी खिचड़ी निबटाते थे।श्रीखंड, खंड-खंड कर उंगली से जीभ पर रगड़ कर चूसा जाता हैं। इनके अलावा क्या क्या किया जाता है, ये आप लोग बताइये?बेसन चक्की चटखारा लेकर चबाई जाती हैं।बेसन के लड्डू सटासट गले से उतारे जाते हैं।मक्का की राबड़ी,छाछ के साथ पी जाती है।लापसी चाव से गीली जाती है।श्राद्ध में मलाईदार खीर का कटोरा मुंह से लगाया जाता है मतबल गटागट की जाती हैं।बेसन के लड्डू बिना सांस लिए सुतते जाते है।फलों का यूस बगैर दांत लगाए गटागट,गटका जाता है।भोजन में हमारे इधर मीठा अनिवार्य रूप से लिया जाता है।कांदा बड़ा,चटनी संग कुतेरा जाता है।मेरा एक मसखरा साला तो रोज दोनों टाइम अन्न फँसाता है।पंडिताई करने वाले एक भाई चाहे शुगर बढ़े या शुगर का बाप बढें चूरमे के लड्डू जरूर भकोसता है।सुस्वादु भोजन लोग-बाग शादियों में उदरस्थ करते है और तोंद पर हाथ फेरते रहते है।मिठाई प्रेमी,प्रेमचंद दा बर्षगाँठ की पार्टी में चाशनी में खूब चूर-चूर कर मावाबाटी,मसकते है। बोंदरबा नुक्ते में खूब नुक्ती-सेव झाड़ते है,घूम-घूम कर जलेबी खाते है।रायता सऊप-सऊप कर सुकड़ते है और रायता ढोलकर फैलाते है?

दिनेश गंगराड़े, समरपार्क,

शिष्टाचार का पाठ

एक बड़ी सी गाड़ी आकर बाजार में रूकी,कार में ही मोबाईल से बातें करते हुयें,महिला ने अपनी बच्ची से कहा,जा उस बुढिया से पूछ सब्जी कैंसे दी,बच्ची कार से उतरतें ही,अरें बुढिया यें सब्जी कैंसे दी ? चालीस रूपयें किलों,बेबीजी। सब्जी लेते ही,उस बच्ची ने सौ रूपयें का नोट उस सब्जी वाली को फेंककर दिया और आकर कार मै बैठ गयी,जब कार जाने लगी तभी अचानक किसी ने कार के सीसे पर दस्तक दी,एक छोटी सी बच्ची जो हाथ में साठ रूपयें कार में बैठी उस औरत को देते हुये, बोलती हैं आंटीजी यें आपके सब्जी के बचें साठ रूपयें हैं,आपकी बेटी भूल आयी हैं,कार में बैठी उस औरत ने कहा तुम रख लों,वह बच्ची बड़ी ही मीठी सभ्य भाषा बोली नही,आंटी जी हमारें जितने पैंसे बनते थें हमने ले लियें हमें,हम इसे नही रख सकतें, मैं आपकी आभारी हूं कि आप हमारी दुकान पर आए,आशा करती हूं, कि सब्जी आपको अच्छी लगें,जिससे आप हमारें ही दुकान पर हमेशा आए, उस लड़की ने हाथ जोड़े और अपनी दुकान लौट गयी। कार में बैठी महिला उस लड़की से बहुत प्रभावित हुई और कार से उतरकर फिर सब्जी की दुकान पर जाने लगी,जैसें ही वहाँ पास गयी,सब्जी वाली अपनी बच्ची को पूछते हुयें,तुमने तमीज से बात की ना, कोई शिकायत का मौका तो नही दिया ना ? तब उस बच्ची ने कहा,हाँ माँ मुझे आपकी सिखाई हर बात याद हैं,कभी किसी बड़े का अपमान मत करो,उनसे सभ्यता से बात करो, उनकी कद्र करो, क्योंकि बड़े-बुजर्ग बड़े ही होते हैं, मुझे आपकी सारी बात याद हैं,और मैं सदैव इन बातों का स्मरण रखूगी। बच्ची ने फिर कहा,अच्छा माँ अब मैं स्कूल चलती हूं,शाम में स्कूल से छुट्टी होते ही, दुकान पर आ जाऊंगी। कारवाली महिला शर्म से पानी पानी थी,क्योंकि एक सब्जीवाली अपनी बेटी को,इंसानियत और बड़ों से बात करने शिष्टाचार करने का पाठ सीखा रही थी और वो अपने अपनी बेटी को छोटा-बड़ा ऊंच-नीच का मन में बीज बो रही थी।

प्रेमनारायण वेद

बालिका सशक्तिकरण में मील का पत्थर साबित हुई लाडली लक्ष्मी योजना

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस प्रतिवर्ष 11 अक्टूबर को बालिका सशक्तिकरण के उद्देश्य से मनाया जाता है। सही मायने में बालिका दिवस को हम बालिकाओं को बेहतर शिक्षा, स्वावलंबी बनाकर, रूढ़िवादी सोच से मुक्त रखते हुए एक बेहतर जीवन देकर सार्थक कर सकते हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने बालिका सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं प्रारंभ की है, जिसमें से एक लाड़ली लक्ष्मी योजना जो बालिका सशक्तिकरण में मील का पत्थर सिद्ध हुई है। इन्दौर संभाग में 8 लाख 40 हजार 390 से अधिक लाड़ली लक्ष्मियाँ सशक्तता की ओर तेजी से कदम बढ़ा रही हैं। शासन की यह योजना बालिकाओं को शिक्षा के साथ-साथ आगे बढ़ने, नेतृत्व और आत्मरक्षा के लिए प्रोत्साहित करने वाली सिद्ध हुई है। इस योजना से जुड़ने के बाद से बालिकाओं की शिक्षा के स्तर पर तेजी से वृद्धि हुई तथा समाज में बालिका शिक्षा के प्रति सोच में बदलाव आया है। आज इस योजना के लाभ से जुड़ी बालिकाएं आत्मनिर्भर भारत की सुदृढ़ सहभागी बन कर उभर रही है। लाड़ली लक्ष्मी योजना के विविध आयाम हैं। जिससे बालिकाओं में शिक्षा और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है। बाल विवाह को रोकने में भी यह योजना कारगर सिद्ध हुई है। परिवार में दो संतान होने की अपरिहार्यता ने छोटे परिवार को प्रोत्साहित किया है। समग्र रूप से देखें तो छोटा परिवार, बालिकाओं की शिक्षा और बाल विवाह पर रोक इस योजना के ऐसे पहलू हैं, जो उन्हें मिलने वाली आर्थिक सहायता से सुनिश्चित होते हैं।

संभाग में 8 लाख 40 हजार से अधिक लाड़ली बालिकाएं है पंजीबद्ध

इन्दौर संभाग में योजना प्रारंभ से लेकर अब तक 8 लाख 40 हजार 390 से अधिक लाड़ली लक्ष्मी पंजीबद्ध हुई है। इसमें इन्दौर जिले में 2 लाख 8 हजार 120, धार जिले में 1 लाख 57 हजार 987, अलीराजपुर में 49 हजार 525, बड़वानी जिले में 82 हजार 142, खंडवा जिले में 94 हजार 255, खरगोन जिले में 1 लाख 22 हजार 201, झाबुआ जिले में 73 हजार 792 एवं बुरहानपुर जिले में 52 हजार 369 बालिकाएं पंजीबद्ध है।

लाड़ली लक्ष्मी योजना में पंजीकृत बालिका को मिलता है इस तरह से लाभ

लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत पात्रता अनुसार पंजीकृत प्रत्येक बालिका को प्राथमिक से स्नातक स्तर पर शिक्षा प्राप्त करने तक कुल 1 लाख 43 हजार रुपये का आर्थिक लाभ मिलता है। योजना अनुसार कक्षा 6वी में प्रवेश लेने पर 2 हजार रुपये, कक्षा 9वी में प्रवेश लेने पर 4 हजार रुपये, कक्षा 11वी में प्रवेश लेने पर 6 हजार रुपये, कक्षा 12वी में प्रवेश लेने पर 6 हजार रुपये, स्नातक अथवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम (न्यूनतम अवधि 2 वर्ष) में प्रवेश लेने पर 25 हजार रुपये दो किस्तों में मिलते है तथा 21 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर एक लाख रुपये परंतु यह कि लाभ शासन द्वारा विहित आयु पूर्ण हो जाने के पश्चात विवाह करने और कक्षा बारहवीं की परीक्षा में सम्मिलित होने के अध्यधीन होने पर प्रदान किया जाता है।

योजना के मुख्य उद्देश्य

बालिका भ्रूण हत्या को रोकना इस योजना के माध्यम से बालिकाओं के जन्म को प्रोत्साहित करके बालिका भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथा को रोकने का प्रयास किया जाता है।

बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करना योजना के तहत बालिकाओं की प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

बालिकाओं के विवाह की उम्र बढ़ाना योजना के तहत बालिकाओं के विवाह की उम्र बढ़ाने पर जोर दिया जाता है।

बालिकाओं के आर्थिक सशक्तिकरण योजना के तहत बालिकाओं को विवाह के समय एकमुश्त राशि प्रदान की जाती है, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें।

योजना के लाभ

बालिकाओं का स्वास्थ्य योजना के तहत बालिकाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

शिक्षा में सुधार योजना के तहत बालिकाओं की शिक्षा में सुधार आया है।

लिंगानुपात में सुधार योजना के कारण लिंगानुपात में सुधार हुआ है।

समाज में महिलाओं का सशक्तिकरण इस योजना के माध्यम से समाज में महिलाओं का सशक्तिकरण हुआ है।

योजना के लिए पात्रता

जन्मतिथि योजना का लाभ उन बालिकाओं को मिलता है जिनका जन्म योजना के लागू होने की तारीख के बाद हुआ हो।

निवास लाभार्थी परिवार योजना लागू होने वाले राज्य का स्थायी निवासी होना चाहिए।

आर्थिक स्थिति परिवार की आर्थिक स्थिति योजना के निर्धारित मानदंडों के अनुसार होनी चाहिए।

योजना के तहत मिलने वाली सहायता

जन्म के समय बालिका के जन्म के समय एकमुश्त राशि प्रदान की जाती है।

शिक्षा के लिए बालिका की प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक के लिए विभिन्न चरणों पर आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

विवाह के समय बालिका के विवाह के समय एकमुश्त राशि प्रदान की जाती है।

निष्कर्ष

लाड़ली लक्ष्मी योजना भारत में बालिकाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना ने बालिकाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए हैं।

योजना के बारे में अधिक जानकारी के लिए, आप अपने राज्य के महिला एवं बाल विकास विभाग से संपर्क कर सकते हैं।

दीपक सिंह

नव मातृशक्तियाँ

डा मोनिका जैन (शिक्षाविद्)

सौम्यता व विनम्रता के नेसर्गिक गुणो तथा मजबूत वैचारिक आभामंडल की स्थापित शिक्षाविद् होने के साथ अनेक संस्थाओ से जुड़कर सामाजिक सरोकार इनकी प्राथमिकता मे शामिल है। महाविद्यालय की विभागाध्यक्ष होने के अपने दशकों के अनुभव को अब नई पौध के रूप मे बच्चो के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षण मे वैज्ञानिक और व्यावहारिक व्यवस्था अमल मे ला रही है। श्री श्री रविशंकर विद्या मन्दिर के नौनिहाल इस मजबूत आधारशिला के प्रत्यक्ष प्रमाण है। पर्यावरणविद होकर कार्यक्षेत्र और निवास के बागबां मे बखूबी पौधारोपण किया जो अब वृहद वृक्ष बन गए है।

डा मेघा अग्रवाल (चिकित्सक)

प्रदेश की प्रतिष्ठित व सर्वाधिक सम्मानित स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. शैलबाला अग्रवाल की लाडली बिटिया होने से बचपन से ही मरीजो के मध्य रही। मानवता के श्रेष्ठ पेशे को अपनाया और माँ से प्रेरणा पाकर उनके पदचिन्हों पर चलकर चिकित्सा के क्षेत्र मे दशकों से साधनारत है। शहर के प्रमुख हॉस्पिटल मे सेवाएं देने के बाद अब मधुमेह निदान के मध्य भारत के प्रमुख चिकित्सा संस्थान टोटल हॉस्पिटल मे अपनी सेवाएं दे रही है। महिलाओ के लिए मेडिकल फील्ड मे रोजगार की इनकी अनूठी पहल अनेक परिवारों के लिए कारगर सिद्ध हुई। फिटनेस के लिए तैराकी और योगा के लिए प्रेरित करती है ।

श्रद्धा जोशी - ऐआईजी (रा. पू से)

म .प्र .लोक सेवा आयोग से डीएसपी के पद पर चयनित हुई और सफलता की सीढ़ियां चढ़ी। वर्तमान मे पुलिस प्रशासन मे सह .संचालक (ऐ आई जी) के महत्वपूर्ण पद पर कार्यरत है। महिलाओ के विधिक अधिकारो की पैरोकार रही है।

अनेक जटिल मामले हल किये । कोरोना आपदा के दौरान कर्तव्यनिष्ठा से समाज और विभाग से प्रशंसा पायी। विभिन्न टी वी चैनल्स पर इनके साक्षात्कार प्रसारित हुए। निर्वाचन के दौरान मतदान के लिए जनजागरूकता संबंधी निर्मित वृतचित्र मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राज्य स्तरीय पुरस्कार और विशेष सम्मान इनकी प्रशस्ति मे समाहित है। एक अच्छी लेखिका के रूप मे सृजनरत रहकर पुस्तक प्रकाशित की। समयनिष्ठा और प्रबंधन इनकी ताकत है । मानवता को सर्वोपरी मानती है।

डा.प्रीति जैन (शिक्षाविद्)

मेडीकेप्स यूनिवर्सिटी की डीन की कुर्सी पर सुशोभित सख्त अनुशासन की प्रतिमूर्ति डा प्रीति इस संस्थान के शुरुआत से जुड़ी है। अब तक इनकी 20 पुस्तके और 40 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके है तथा कुल पांच पेटेंट भी प्राप्त किये है। कार्बनिक व अकार्बनिक दोनों संकाय मे डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि प्राप्त की। इनके निर्देशन मे बारह विद्यार्थी पीएचडी के लिए पंजियत् है।

प्रचार - प्रसार से परे रहते हुए संस्थान की और से अधिकृत किये जाने पर भी राज्य स्तरीय पुरस्कारों की होड़ मे शामिल नही रही। इनके दीर्घ एवम अनुभवी मार्गदर्शन मे अनेक राष्टीय स्तर की कार्यशाला, सिम्पोजियम, सेमिनार व सांस्कृतिक गतिविधियों का सफल आयोजन हो चुका है।

केंद्र सरकार के यूजीसी व प्रदेश सरकार के चयनित प्रोजेक्ट भी प्रक्रिया मे है।अपने जीवनसाथी मालवा बेल्ट के ख्यात चिकित्सक डा. पंकज जैन को अपनी सफलताओ का श्रेय देती है चूंकि उन्होंने हमेशा प्रोत्साहित किया।

अर्चना शर्मा (थाट टेक्नोलॉजिस्ट)

विचारों के उत्थान व शुद्धिकरण तथा उत्तम स्वास्थ्य के लिए नींद की महत्ता को समझा कर वैश्विक स्तर पर हज़ारों जिंदगियो मे सकरात्मक बदलाव ला चुकी है। विदेशी महिला की हृदय द्व शल्य चिकित्सा मे महती भूमिका निभाई।

सबसे स्वच्छ शहर के जिलाधीश कार्यालय व माननीय सांसद द्वारा पुरस्कृत् की गई। विधानसभा मे छात्र आत्महत्दे अंकुश पर प्रस्तुतिकरण दे चुकी है। मानवसेवा मे उक्त उपलब्धियों के लिए प्रमुख अंतराष्टीय संस्था द्वारा सम्मानित की गई।

डा.रीटा जैन (शिक्षाविद्)

धार क्षेत्र मे समुद्र होने और पूर्व मे डायनासौर के जीवाश्म अंडो के सरंक्षण पर अनुसंधान की तथ्यात्मक जानकारी देकर शिक्षा जगत मे विशिष्ट स्थान बनाया। इस प्रयास को विदेश से आये शिक्षाविदों ने सराहा। अपने मार्गदर्शन मे अनेक विधार्थियो को शोध प्रबंध हेतु पंजियत् किया। विधार्थियो को अपने स्वयं के नोटस, हेर्बेरियम, प्रैक्टिकल फ़ाइल देकर नई परंपरा का शुभारंभ किया।

महाविद्यालय के छात्र छात्राओ को विभिन्न सांस्कृतिक व प्रकृति से जुड़ी गतिविधियों मे शामिल कर उन्हे एक नई दिशा मे अग्रणी बनाया। ।चार शोध पत्र अंतराष्टीय जर्नल मे प्रकाशित हो चुके है। प्रतिष्ठित निर्मला पाठक अवार्ड व नायिका अवार्ड से सम्मानित होना इनकी विशेष उपलब्धियां है।

वर्तमान मे चौईथराम कॉलेज मे प्रिंसिपल के पद पर सुशोभित है। सरल सौम्य पतिदेव गिरीश जैन इनके प्रेरणास्त्रोत है। एकमात्र सुपुत्री को उच्च शिक्षित कर सिंगल गर्ल चाइल्ड का आदर्श नई पीढी के समक्ष प्रस्तुत किया।

सुश्री हेमलता शर्मा (भोली बेन) स्तंभकार

मालवी द्व निमाडी अकादमी की स्थापना को अपना लक्ष्य बनाकर निरंतर सक्रिय। महत्वपूर्ण शासकीय पद पर होने के बावजूद सामाजिक कार्यो मे सहभागिता इनके समय प्रबंधन की एक श्रेष्ठ मिसाल है। विभिन्न पत्र द्वपत्रिकाओ मे लेख कविता अक्सर प्रकाशित होते है पैतृक स्थान आगर - मालवा से लेकर प्रदेश, देश और अंतराष्टीय स्तर पर पुरस्कृत हो चुकी है।

राजलक्ष्मी श्रीवास्तव (वरिष्ठ लेखिका)

संस्कार व धार्मिक आस्था से जुड़ी दो पुस्तको का संपादन इनकी साहित्यिक रुचि बयां करता है। तत्कालीन जिलाधीश राकेश श्रीवास्तव द्वारा विमोचित इन पुस्तको की प्रासंगिकता आज भी बरकरार है। समसामयिक मुद्दों पर लेखन जारी है। उम्र के आठवे पड़ाव सृजनशील रहकर सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

रीटा सरकानूनगो त्यागी (प्रबंध संचालक)

मृदभाषी विलक्षण विदुषी मालवा डायग्नोस्टिक्स (अ यूनिट ऑफ ऐक्युरेट डायग्नोस्टिक्स) की प्रबंध संचालक ने इस भूमिका मे दो दशकों से इस क्षेत्र मे लाखों मरीजो को विश्वसनीय जाँच सुविधा देकर चिकित्सा विशेषज्ञों को मरीजो के रोग निदान मे महत्वपूर्ण माध्यम बने संस्थान की शाखाये देवास शाजापुर बड़वाह बड़वानी और सोनकच्छ मे विस्तारित की।

निर्धन मरीजो के लिए विशेष छुट का प्रावधान कर अनेक परिवारों को लाभ पहुंचाया। वर्तमान के प्रतिस्पर्धी तथा व्यवसायिक दौर मे संस्थान की जाँच रिपोर्ट को ज़ीरो ऐरर क्वालिटी से प्रदेश भर मे मान्यता मिली। मानव सेवा के लिए यहाँ का स्टाफ पूर्णतः समर्पित है।

कैप्टन पिता और सामाजिक कार्यो की प्रारंभकर्ता माँ सुभाषिनी सरकानूनगो की बेटी ने प्रदेश मे चिकित्सा जाँच सेवा(डायग्नोस्टिक्स) की नई परिभाषा गढ़ दी।वे प्रदेश की सफल महिला आंत्रप्रान्यौर का उत्कृष्ट उदाहरण है।

जलोदियापंथ में डेंगू का कहर: प्रशासनिक लापरवाही से ग्रामीणों का जीवन संकट में

देपालपुर। इंदौर ज़िले की जनपद पंचायत देपालपुर के जलोदियापंथ गाँव में डेंगू महामारी बनकर फैल रही है। ग्रामीणों का जीवन प्रशासन की घोर लापरवाही और कलेक्टर आशीष सिंह की अनदेखी के चलते खतरे में पड़ चुका है। गाँव की गलियों में गंदगी, जलजमाव और मच्छरों का साम्राज्य है, जिससे डेंगू के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। प्रशासनिक उदासीनता ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

गाँव के लोग बीते कई दिनों से कलेक्टर आशीष सिंह और ज़िला प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं कि गाँव में सफाई व्यवस्था सुधारी जाए और डेंगू की रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। हालाँकि, अब तक किसी प्रभावी कार्रवाई की कमी ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारी केवल दौरा कर खानापूर्ति कर रहे हैं, जबकि ज़मीनी हालात जस के तस बने हुए हैं।

कलेक्टर और प्रशासन पर लापरवाही का आरोप

गाँव के लोगों ने साफ शब्दों में कहा है कि प्रशासन की सुस्ती ने डेंगू की भयावह स्थिति को निमंत्रण दिया है। गंदगी से पटे पड़े रास्ते और जलजमाव ने मच्छरों को पनपने का आदर्श वातावरण दिया है, जिससे डेंगू के मामलों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। कई घरों में लोग डेंगू की चपेट में आ चुके हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से इसे रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

दिखावे के दौरों से ग्रामीणों में नाराज़गी

हाल ही में जनपद पंचायत देपालपुर के अधिकारियों ने गाँव का दौरा किया, परंतु ग्रामीणों का कहना है कि यह सिर्फ दिखावा था। गाँव की सफाई व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ और डेंगू से निपटने के लिए आवश्यक उपाय अब तक नहीं किए गए। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि अधिकारियों ने सिर्फ खानापूर्ति करके अपने कर्तव्यों से पल्ला झाड़ लिया है।

असंतोष बढ़ता जा रहा है

गाँव के लोग अब खुलकर प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं।

उनका कहना है कि जब तक प्रशासनिक व्यवस्था सही नहीं होगी और स्वच्छता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक डेंगू की रोकथाम मुमकिन नहीं है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो वे बड़े आंदोलन के लिए मजबूर हो सकते हैं।।

आखिरी उम्मीद– प्रशासन की सक्रियता

जलोदियापंथ गाँव में डेंगू की बढ़ती स्थिति और प्रशासन की निष्क्रियता से लोग अपने जीवन को लेकर भयभीत हैं। उन्हें अब भी उम्मीद है कि प्रशासन और कलेक्टर आशीष सिंह जल्द से जल्द आवश्यक कदम उठाकर इस संकट का समाधान करेंगे।

यदि ऐसा नहीं हुआ, तो ग्रामीणों का स्वास्थ्य संकट और भी गहरा सकता है, जिसका सीधा दोष कलेक्टर और ज़िला प्रशासन पर जाएगा।

विकासखण्ड महू के ग्राम दतोदा में 15 अक्टूबर और ग्राम बुरानाखेडी में 16 अक्टूबर को लगेंगे रोजगार मेले

इंदौर (राष्ट्रीय जनभावना)। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के मार्गदर्शन व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन के निर्देशन में दीनदयाल अन्त्योदय योजना म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तत्वाधान में दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (ध्ध्ष्ठ-त्नयद्भ) के अंतर्गत जिले की समस्त जनपद पंचायतों में ग्रामीण युवक/युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जाने के उदेश्य से रोजगार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी सिलसिले में विकासखण्ड महू के ग्राम दतोदा में 15 अक्टूबर और इंदौर के ग्राम बुरानाखेडी में 16 अक्टूबर को रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा। विकासखण्ड सांवेर में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट की अध्यक्षता में गत 08 अक्टूबर को रोजगार मेले का आयोजन किया गया।

मेले में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत एवं मिशन का अमला उपस्थित रहा। पुखराज हेल्थ केयर, इन्दौर डिस्टिल एजुकेशन, पिथमपुर, न्यू झील फेशनवेयर, बदनावर, केशव इन्टरप्राईज, इन्दौर, टीएससीएफम, इन्दौर व स्टार हेल्थ सहित कुल 06 कम्पनी तथा आर-सेटी प्रशिक्षण संस्थान एवं डीडीयू-जीकेवाई एसआर के कुल 2 प्रतिनिधियों ने मेले में अपनी उपस्थिती दी। इस दौरान प्रतिनिधियों द्वारा 106 युवाओं का प्राथमिक चयन किया गया। इसी तरह विकासखण्ड देपालपुर में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री गुमान सिंह की अध्यक्षता में गत 09 अक्टूबर को जनपद पंचायत परिसर में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में प्रतिनिधियों द्वारा 107 युवाओं का प्राथमिक चयन किया गया।

आगामी रोजगार शिविर विकासखण्ड महू के ग्राम दतोदा में 15 अक्टूबर एवं इन्दौर के ग्राम बुरानाखेडी में 16 अक्टूबर को आयोजित किया जाना है। रोजगार शिविरों में युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने हेतु बड़ोदा स्वरोजगार संस्थान द्वारा दिए जाने वाले स्वरोजगार प्रशिक्षणों हेतु भी परामर्श दिया जायेगा। साथ ही विभिन्न कौशल प्रशिक्षण प्रदाता संस्थानों द्वारा भी युवाओं को मार्गदर्शित किया जायेगा। रोजगार शिविरों में निजी क्षेत्र की विभिन्न कम्पनियों द्वारा सेल्स मार्केटिंग, बैंकिंग सेवा, मशीन आपरेटर आदि पद हेतु साक्षात्कार लिया जायेगा। शिविर हेतु युवाओं को कम से कम 10वीं पास एवं आयु 18 से 35 वर्ष के मध्य होना आवश्यक है। रोजगार शिविर के स्थान व अन्य जानकारियों के लिए स्थानीय जनपद पंचायत कार्यालय (आजीविका मिशन) में सम्पर्क किया जा सकता है।

डेली कालेज की टीम का जोरदार प्रदर्शन

इंदौर। मेजबान डेली कालेज की खिलाड़ियों ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए आल इंडिया आइपीएससी इंटर स्कूल बालिका टेनिस टूर्नामेंट में टीम और व्यक्तिगत दोनों वर्गों में जीत दर्ज की।इस स्पर्धा में देश के विभिन्न राज्यों से खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।स्पर्धा में प्रदर्शन के आधार पर आइपीएससी टीम का चयन किया जाएगा।स्पर्धा के व्यक्तिगत वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में मेजबान डेली कालेज की पूर्वा सिंह ने आक्रामक खेल दिखाते हुए एमरल्ड हाइट्स स्कूल की याना गोयनका को 4-0 से पराजित किया।एक अन्य मैच में डेली कालेज की रीत अरोरा ने ऐसा ही आक्रामक खेल दिखाते हुए एमरल्ड हाइट्स स्कूल की पी.पासवानी को 4-0 से पराजित किया।दिन के अन्य मुकाबलों में वायपीएस मोहाली की तमन्ना वालिया ने आरकेकेजीपीएस की अदिति जाजू को 4-1 से हराया। वहीं एमएनएसएस राई की खिलाड़ी आरजू मलिक ने थोड़े से संघर्ष के बाद आरकेकेजीपीएस की परि कछवाह को 4-1 से पराजित किया।आरकेसी की रीथ बेगानी ने एमरल्ड हाइट्- की सामिया वाधवानी को 4-2 से पराजित किया। अजमेर के मेयो कालेज की हनिका भोजवानी ने आरकेसी की मानविया सिंह को 4-0 से पराजित किया।टीम वर्ग के मुकाबले में मेजबान डेली कालेज ने आरकेकेजीपीएस टीम को 2-0 से पराजित किया। वहीं अजमेर के मेयो कालेज की टीम ने रायपुर के आरकेसी टीम को कड़े संघर्ष के बाद 2-1 से शिकस्त दी।

स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत 35 टन कचरे का निस्तारण

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल पर 01 अक्टू बर से 15 अक्टूबर तक स्व्च्छवता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस पखवाड़ा के अंतर्गत प्रत्योंक दिन को अलग-अलग रूप में मनाया जा रहा है जिसमें 09 अक्टूयबर तक स्वेच्छ? रेलगाड़ी, स्वाच्छम स्टे शन, स्वेच्छ पटरी,स्वटच्छट कॉलोनी/परिसर/कार्यालय इत्यानदि का आयोजन किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत रतलाम मंडल के सभी बड़े एवं महत्विपूर्ण स्टेअशनों के साथ ही मंडल के सभी स्टेकशनों पर बड़े स्त्र पर स्विच्छ ता अभियान चलाया जा रहा है तथा आठ दिनों में मंडल पर लगभग 35 टन से अधिक कचरे का निस्त्रण किया गया है। मंडल पर निस्तालरित किये गये लगभग 35 टन कचरे में से लगभग 2 टन प्लाेस्टिक कचरा है तथा शेष गीला एवं सूखा कचरा शामिल है। पखवाड़ा के दौरान मंडल के रतलाम, उज्जैन, इंदौर, चित्तौखड़गढ़, नीमच, मंदसौर, नागदा, डॉ. अम्बेतडकर नगर, दाहोद सहित अन्यत स्टे,शनों पर प्ले टफार्म, रेलवे लाइन, रेलवे स्टेबशन परिसरों, रेलवे कॉलोनियों, कार्यालयों में गहन सफाई की जा रही है। रेलवे परिसर में स्थित ओपन ड्रेन की सफाई पर विशेष ध्योन दिया जा रहा है।

कलर मिले होने की आशंका में 750 किलोग्राम सौंफ जप्त

इंदौर(राष्ट्रीय जनभावना)। आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए इंदौर जिले में आमजन को सुरक्षित, स्वास्थ्यप्रद एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके एवं अवमानक, असुरक्षित एवं अस्वच्छकर परिस्थितियों में खाद्य पदार्थों का निर्माण, विक्रय एवं परिवहन न हो, इस हेतु जिले में निर्माण, विक्रय एवं परिवहन किए जा रहे खाद्य पदार्थों जैसे दूध एवं दूध से बने खाद्य पदार्थ, मावा, घी, मिठाईयाँ, मसाले, नमकीन, तेल, कन्फेक्शनरी की सतत रूप से सघन जांच हेतु कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर श्री गौरव बैनल द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के तीन दल गठित किये गए हैं। इन दलों द्वारा इंदौर शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र में दैनिक रूप से कार्यवाही की जा रही हैं। इसी कड़ी में गुरूवार को एक दल द्वारा नेहरू नगर क्षेत्र में भैरवनाथ गुजराती कड़ी फाफड़ा से मावा कतली का एक नमूना, श्री चारभुजा स्वीट्स से मावा पेड़ा, मलाई बर्फी के कुल दो नमूने लिए गए। विभाग को यह सूचना प्राप्त हुई थी कि उँझा, गुजरात से कलर वाली सौंफ बुलाई जाकर इंदौर शहर में विक्रय की जा रही है जिसके आधार पर दूसरे दल द्वारा सियागंज स्थित महालक्ष्मी ट्रेडर्स का औचक निरीक्षण किया गया तथा मौके पर खाद्य पदार्थ सौंफ जिसमें कलर मिले होने की आशंका हुई, का नमूना जांच हेतु लिया गया तथा 750 किलोग्राम सौंफ को जप्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 97 हजार 500 रूपये है।

मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब की सहायता से मौके पर ही की गई जांच

निरीक्षण के दौरान नेहरू नगर क्षेत्र में मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब की सहायता से 10 प्रतिष्ठानों में बिक रहे खाद्य पदार्थ जैसे मिठाई, नमकीन आदि की जांच मौके पर ही की गई, जिनमें से निर्धारित स्तर के नहीं पाए गए खाद्य पदार्थों की विस्तृत जाँच हेतु नमूना कार्यवाही दल द्वारा की गई। इसके अतिरिक्त प्रतिष्ठान संचालकों को मिठाई, नमकीन आदि निर्माण में प्रयुक्त होने वाले रॉ मटेरियल एवं तैयार खाद्य पदार्थ की जाँच के तरीके भी बताए गए, ताकि वे स्वयं जाँच कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित कर सकें।

संचालकों को दिए गए निर्देश

निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान संचालकों को परिसर में उचित रूप से साफ सफाई बनाए रखने, कर्मचारियों का नियमित रूप से मेडिकल चेकअप करवाने, परिसर में कीट प्रबंधन प्रणाली का सही तरीके से पालन सुनिश्चित करने तथा खाद्य पदार्थों के उचित रखरखाव से संबंधित दिशा निर्देश दिए गए। लिए गए सभी नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल की ओर भेजा जायेगा, जिनकी विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्ति उपरांत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जायेगी। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा की जा रही कार्यवाही आगे भी सतत रूप से जारी रहेगी।

निर्भय गरबा महोत्सव चौथा दिन

तो बोलो हर हर भजन पर भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश के दिव्य स्वरुप का चित्रण किया

इंदौर(राष्ट्रीय जनभावना)। संस्था निर्भय द्वारा छोटा बांगदडा में आयोजित पश्चिमी क्षेत्र के सबसे बड़े गरबा महोत्सव के चौथे दिन आज शंकराचार्य पीठ के प्रमुख महंत डॉक्टर गिरीशानंद जी, योगेन्द्र महंत जी की उपस्थिति में बालिकाओं ने भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश के चरित्र और महिमाओ का गुणगान और भगवान श्रीनाथ जी की गोवर्धन लीला के दिव्य स्वरुप की प्रस्तुति दी। संस्था निर्भय के संरक्षक मनोज पटेल ने बताया कि निर्भय गरबा महोत्सव पर बालिकाओं द्वारा पारंपरिक गरबों की प्रस्तुति दी जा रही है। हर दिन अलग अलग कलर थीम पर क्षेत्रीय बालिकाओं द्वारा गुजराती, विभिन्न लोकसंस्कृति, दैवीय स्वरुपों का गरबों के माध्यम से महिमा गान किया जा रहा है। आज चौथे दिन भारी बारिश के बावजूद वाटर प्रूफ पंडाल में

बालिकाओं ने नदी किनारे नारियली है रे भाई, नारियली है रे, ओ म्हारी कालिका माँ ने काज रेज्गरबों रे म्हारो गरबोंज भजन पर गरबा प्रस्तुति दी। संस्था निर्भय की गरबा टीम सुपर 30 ने जय भवानी- जय शिवाजी गीत पर शिवाजी के शौर्य और पराक्रम को प्रदर्शित करते हुए हिंदवी स्वराज की स्थापना का गौरवशाली इतिहास प्रस्तुत किया। गुजरात की गरबा टीम ने गुरुर ब्रह्मा, गुरुर विष्णु, गुरूर देवों महेश्वरजविष्णु अष्टकमज्तो बोलो हरहरज मिक्स भजन पर ब्रह्मा, विष्णु और महेश का चरित्र चित्रण करते हुए उनकी महिमाओ का यशोगान किया। ब्रह्मा जी को सृष्टि के रचनाकार, विष्णु जी को पालनहार और महेश, शिव जी को संहारकर्ता के रूप में दर्शाया। साथ ही एक अन्य प्रस्तुति में नटवर नागर नडड़ा, आवो रे श्रीनाथ जी, जय हो श्रीनाथ जी भजन पर भगवान श्रीनाथजी की गोवर्धन लीला प्रसंग की दिव्यता और भव्यता के दर्शन कराए। गरबा कोरियोग्राफर भाविन राजपूत, दया भाई और राज डोडीयार द्वारा कोरियोग्राफ किए गए।

योगेश गेंदर ने किया लेखा समिति अध्यक्ष का पदभार ग्रहण

इन्दौर। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव की उपस्थिति में योगेश गोविंद गेंदर ने लेखा समिति अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। मंत्री व महापौर ने लेखा समिति अध्यक्ष को पुष्पगुच्छ देकर बधाई दी। इस अवसर पर महापौर परिषद सदस्य राजेंद्र राठौर, अश्विनी शुक्ल, निरंजनसिंह चौहान, जीतू यादव, पार्षद रूपाली पेंढारकर, मनोज मिश्रा, रुबीना खान व अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

मातृशक्ति को जागरूक होना चाहिए

इंदौर । वीणा नगर, इंदौर के वीणेश्वर महादेव मंदिर के प्रांगण में दुर्गोत्सव के सफल आयोजन में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य डी.जी. मिश्र और आकाशवाणी की कलाकार श्रीमती संध्या पगारे कार्यक्रम में उपस्थित हुईं उन्होंने ग्राहक जागरूकता व मिलावटी उत्पादों के विषय में प्रबोधन दिया।

दूसरे मेहमान थे बिल्डर जयेश मौर्य। सबसे प्रमुख उपस्थिति थी हीरा नगर के टी आई पी. एल. शर्मा की। शर्मा ने उपस्थित जन समुदाय को और महिलाओं को नशा और ड्रग्स के संबंध में जागरूक करते हुए कहा कि मातृशक्ति को परिवार में या समाज में हो रहे नशे के विषय में जागरूक होना चाहिए। पुलिस उनकी सुरक्षा के लिए है। वीणेश्वर महादेव मंदिर व्यवस्था समिति के अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार दुवगे, उपाध्यक्ष अशोक भामरे और सचिव चंद्रशेखर शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया।

कन्या भोज का आयोजन

इंदौर। श्रीमाता वैष्णोदेवी दर्शन सेवा समिति द्वारा कन्या भोज का

आयोजन हुआ समिति के संयोजक पंडित गोपाल बैरागी जी ने बताया की संस्था द्वारा 251 कन्याओं का पूजन किया और उन सभी कन्याओं को भोजन कराया।

आयोजन साई माई दरबार उमंग पार्क कालोनी छोटा बांगडदा में हुआ छेत्र की सभी महिलाओं ने कन्याओं को भोजन कराया ओर माता जी का आशीर्वाद प्राप्त किया संस्था द्वारा समय समय पर कई आयोजन किए जाते है।

किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी का इंदौर में दूसरा एक्सक्लूसिव शोरूम लॉन्च

इंदौर। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने इंदौर के एमजी रोड में अपने दूसरे एक्सक्लूसिव शोरूम का शुभारंभ किया। यह राज्य में किसना का 5वाँ एक्सक्लूसिव शोरूम और देश भर में 44वाँ शोरूम है। शोरूम का उद्घाटन हरि कृष्णा ग्रुप के फाउंडर व मैनेजिंग डायरेक्टर श्री घनश्याम ढोलकिया और किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के डायरेक्टर पराग शाह द्वारा किया गया।

भव्य शुभारंभ के अवसर पर किसना, ग्राहकों को डायमंड ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज पर 100त्न तक की छूट दे रहा है। इसके अतिरिक्त, उत्साह को बढ़ाते हुए, किसना ्रअबकीड्डबारड्डआपकेड्डलिएड्डशॉपिंग करो और जीतो कार के नाम से एक कैम्पेन भी चला रहा है, जिसमें ग्राहकों को 100 से अधिक कारों में से एक जीतने का मौका मिलेगा। ग्राहकों को इसमें हिस्सा लेने के लिए 20,000 रुपए या अधिक की डायमंड / प्लैटिनम / सॉलिटेयर ज्वेलरी, या फिर 50,000 रुपए तक की गोल्ड ज्वेलरी खरीदनी होगी।

उद्घाटन को लेकर खुशी व्यक्त करते हुए, हरि कृष्णा ग्रुप के फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री घनश्याम ढोलकिया ने कहा, ÷इंदौर में अपने दूसरे शोरूम के लॉन्च के साथ, किसना शानदार फेस्टिव कलेक्शन और एक्सक्लूसिव ऑफर्स पेश करने को लेकर उत्साहित है।

मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने नरेला विधानसभा अंतर्गत समस्त दशहरा मैदानों का किया निरीक्षण

भोपाल । सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरूवार को दशहरा उत्सव की तैयारियों के संबंध में नरेला विधानसभा अंतर्गत समस्त दशहरा मैदानों का निरीक्षण किया। मंत्री श्री सारंग ने निरीक्षण के दौरान आयोजनों को लेकर पुख्ता तैयारी रखने के अधिकारियों को निर्देश दिये। मीडिया से संवाद के दौरान उन्होंने बताया कि असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक पर्व 'दशहरा उत्सव' को लेकर सभी नागरिकों में भारी उत्साह है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नरेला विधानसभा में दशहरा उत्सव पूर्ण हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जायेगा। पर्व को लेकर व्यापक स्तर पर नगर निगम एवं जिला प्रशासन के अधिकारी तैयारियों में जुटे हुए हैं। उत्सव के पूर्व सभी दशहरा मैदानों में बैठक व्यवस्था, पार्किंग, ट्रैफिक सहित अन्य व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित हो इसके निर्देश दिये गये हैं।

हर्ष और उल्लास के साथ

मनाया जायेगा दशहरा उत्सव

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि आगामी 12 अक्टूबर को दशहरा पर्व मनाया जायेगा। नरेला विधानसभा में दशहरा पर्व की तैयारियां तीव्र गति से पूर्ण की जा रही है। क्षेत्र के सभी दशहरा मैदानों में हजारों की संख्या में नागरिक इस उत्सव के साक्षी बनेंगे। दशहरा मैदानों में भीड़ को देखते हुए पर्याप्त बैठक व्यवस्था की जा रही है। दशहरा मैदानों के पास वाहनों की पार्किंग व्यवस्था के साथ ही ट्रैफिक को सुचारू रखने के लिये निर्देश दिये गये हैं। इसके अतिरिक्त दशहरा मैदानों पर नागरिकों के लिये पेयजल एवं आपात स्थिति से निपटने के लिये एहतियात के तौर पर चिकित्सा व अग्निश्मन की व्यवस्था भी जायेगी।

अशोका गार्डन दशहरा मैदान का लगभग 2.5 करोड़ की लागत से होगा उन्नयन

मंत्री श्री सारंग ने निरीक्षण के दौरान कहा कि नरेला विधानसभा अंतर्गत अशोका गार्डन दशहरा मैदान का उन्नयन किया जायेगा। इसके लिये लगभग 2.5 करोड़ का प्रस्ताव पारित किया गया है। शीघ्र ही इसका निर्माण कार्य प्रारंभ किया जायेगा।

स्कूल ऑफ लॉ, डीएवीवी के विद्यार्थी द्वारा विधि जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

इंदौर। स्कूल ऑफ लॉ, डीएवीवी के विद्यार्थियों ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अंतर्गत विधि जागरूकता का कार्यक्रम न्यू ऐरा पब्लिक स्कूल, मरोड और एशियन पब्लिक स्कूल, पालदा में किया 7 कई कानूनी विषय जैसे मौलिक अधिकार, बाल विवाह, बाल श्रम, साइबर कानून, पोक्सो, जुवेनाइल जस्टिस एक्ट, शिक्षा का अधिकार आदि को सरल और स्पष्ट शब्दों में बच्चो को समझाया गया।

बच्चो की कुल संख्या दोनो स्कूल में मिलाकर करीब 500 से ज्यादा रही और बच्चो में काफी उत्साह और उत्सुकता देखी गई। कार्यक्रम में मुख्य भूमिका - उज्जवल त्रिपाठी, मनीष खरे , हिमांशु धुर्वे, मनोज शाहू, संदीप प्रजापति, तुषार चौहान, शाद खान , निहारिका सिंह बुंदेला, कृति तोमर, दिव्यानी भलावी ने विधि के विषयो का अवलोकन कर सरल शब्दों में बच्चो के समझाया और इसकी उपयोगिता जीवन में बताई। कार्यक्रम में संदीप प्रजापति ने बाल श्रम के बारे में कानूनी प्रावधान बताए, वही दिव्यानी भलावी ने बाल विवाह के दुष्परिणाम के बारे में बताया, मनीष खरे ने बच्चो के शिक्षा के अधिकार को समझाया, मनोज शाहू ने संविधान के अनुच्छेद को बताया, तुषार चौहान ने संविधान की भूमिका को बच्चो को बताया, निहारिका सिंह और कृति ने महिलाओं और बच्चो में यौन अपराधो के बारे में बचने के सुझाव दिए, हिमांशु धुर्वे ने बढ़ते साइबर सुरक्षा के बारे बच्चो को सावधान किया और शाद खान ने सरकार द्वारा लागू लाभकारी नीतियों के बारे सभी को बताया।

संचालन उज्जवल त्रिपाठी ने किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वॉलंटियर, हरिष सोनी जी ने बच्चो को निःशुल्क विधिक सेवा प्राप्त करने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

महाअष्टमी पर हुआ मां सरस्वती का पूजन

इंदौर। नवरात्रि के पावन पर्व और महाष्टमी के मौके पर आज इंदौर प्रेस क्लब में स्थित मां सरस्वती के मंदिर में हवन पूजन के साथ ही महाआरती हुई। प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी और उपाध्यक्ष प्रदीप जोशी ने मंदिर के पुजारी पं. धीरेंद्र राजौरिया की उपस्थिति में विधि विधान से पूजन किया। पूजन और महाआरती में प्रेस क्लब कोषाध्यक्ष संजय त्रिपाठी, कार्यकारिणी सदस्य विपिन नीमा, प्रवीण बरनाले, राहुल वावीकर, चंदू जैन, गिरधर नागर, मांगीलाल चौहान, राजेंद्र कोपरगांवकर, लोकेंद्र थनवार, धर्मेन्द्र शुक्ला, हेमन्त जैन, बालकृष्ण मुले, बालकृष्ण उपाध्याय, सतीश गौड़, सौरभ पवार, अर्पण जैन, प्रकाश तिवारी, श्याम काम्बले, चेतन मोहनवानी, मार्टिन पिंटो, नवीन मौर्य, दीपक जैन, लोकेंद्र चौहान सहित मीडिया के कई साथी उपस्थित थे। तत्पश्चात कन्याभोज का आयोजन भी हुआ।

महाअष्टमी पर हुआ मां सरस्वती का पूजन

इंदौर। नवरात्रि के पावन पर्व और महाष्टमी के मौके पर आज इंदौर प्रेस क्लब में स्थित मां सरस्वती के मंदिर में हवन पूजन के साथ ही महाआरती हुई। प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी और उपाध्यक्ष प्रदीप जोशी ने मंदिर के पुजारी पं. धीरेंद्र राजौरिया की उपस्थिति में विधि विधान से पूजन किया।

पूजन और महाआरती में प्रेस क्लब कोषाध्यक्ष संजय त्रिपाठी, कार्यकारिणी सदस्य विपिन नीमा, प्रवीण बरनाले, राहुल वावीकर, चंदू जैन, गिरधर नागर, मांगीलाल चौहान, राजेंद्र कोपरगांवकर, लोकेंद्र थनवार, धर्मेन्द्र शुक्ला, हेमन्त जैन, बालकृष्ण मुले, बालकृष्ण उपाध्याय, सतीश गौड़, सौरभ पवार, अर्पण जैन, प्रकाश तिवारी, श्याम काम्बले, चेतन मोहनवानी, मार्टिन पिंटो, नवीन मौर्य, दीपक जैन, लोकेंद्र चौहान सहित मीडिया के कई साथी उपस्थित थे। तत्पश्चात कन्याभोज का आयोजन भी हुआ।

शासकीय अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय में आयोजित होगा कैम्प

इन्दौर। मध्यप्रदेश शासन आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क स्तन कैंसर जागरूकता एवं शीघ्र निदान प्रोजेक्ट के अंतर्गत कैंप का आयोजन 15 एवं 16 अक्टूबर 2024 को रखा गया है। यह कैम्प शासकीय अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय लोकमान्य नगर इंदौर में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा।

कैम्प में विशेषज्ञ चिकित्सक आयुर्वेद कैंसर यूनिट के संचालक डॉ. अखलेश भार्गव, मेडिकल ओकोलोजिस्ट डॉ. कृष्णा चौधरी, डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. सनी जैन, डॉ. ऐश्वर्या शर्मा तथा डॉ. करूणा अबगाड अपनी सेवाएं देंगे। कैम्प में निःशुल्क स्तन जाँच, निःशुल्क दवाओं का वितरण, जागरूकता पत्रक वितरण, नारायणी सर्वे कार्ड वितरण तथा स्तन सिलिकॉन मॉडल पर स्व परीक्षण की जानकारी प्रदान की जाएगी। शासकीय अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय कॉलेज इंदौर एवं मुम्बई ऑनको केयर एण्ड रिसर्च सेंटर इंदौर के संयुक्त तत्वाधान में इस कैम्प का आयोजन होगा। शासकीय अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय प्रधानाचार्य डॉ. अजीत पाल सिंह चौहान ने उक्त कैम्प का अधिक से अधिक लाभ लेने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि इस कैम्प में किसी भी महिला को स्तन संबंधी गांठ होने पर आयुष्मान कार्ड के माध्यम से निःशुल्क मेमोग्राफी जाँच करवाई जायेगी।

48 पेंशन प्रकरणों का निराकरण

इन्दौर। संचालक पेंशन भविष्य निधि एवं बीमा मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा दिये गए निर्देशों के अनुक्रम एवं संभागायुक्तं श्री दीपक सिंह के मार्गदर्शन में संभागीय पेंशन कार्यालय इंदौर में तीन दिवसीय पेंशन शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में विभिन्न विभागों के प्राप्त 48 पेंशन प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण करते हुए पेंशन भुगतान आदेश जारी किये गए है। संभागीय पेंशन अधिकारी इंदौर ने बताया कि उक्त शिविर में विभिन्न विभागों के पेंशन प्रकरण प्राप्त हुए, जिनका निराकरण किया गया।

कलेक्टर के निर्देश पर नशे में दुरुपयोग की संभावना वाली 10 ड्रग्स कंपनियों का निरीक्षण

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा नशे में दुरुपयोग की संभावना वाली औषधियों एवं सिंथेटिक ड्रग्स की रोकथाम के लिए इंडस्ट्रियल इकाइयों के निरीक्षण दल गठित किये गए हैं।

कलेक्टर के निर्देशों के परिपालन में आज राऊ रंगवासा औद्योगिक क्षेत्र में एसडीएम राऊ श्री विनोद राठौर के नेतृत्व में एसीपी राऊ रूबीना मिजवानी, तहसीलदार राऊ नारायण नांदेड़ा, औषधि निरीक्षक श्रीमती अनुमेहा विवेक कौशल,

अलकेश यादव व प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र मनोज शुक्ला के संयुक्त निरीक्षण दल द्वारा 10 इंडस्ट्रियल संस्थानों का निरीक्षण किया गया। एसडीएम राऊ राठौर ने बताया कि आज दल द्वारा राऊ स्थित इंडस्ट्रियल एरिया क्षेत्र में सामकेम, ब्रिटिश रेमेडीज, तोतला हर्बल रेमेडीज, विनप्रो हर्बल आर्गेनाइजेशन, सिंडीकेट हर्बल, मेसर्स हर्ष हेल्थकेयर, मेसर्स राजशाही फूड प्रोडक्ट, मेसर्स मिशीरा पॉलिकेम, मेसर्स ग्लिस्टर फार्मा, मेसर्स इकोसेव सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान संबंधित इंडस्ट्री के प्रबंधकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

धोखाधड़ी के आरोपी को नहीं मिली जमानत

धरमपुरी। अपर सत्र न्यायाधीश, अनिल चौहान (धरमपुरी) के न्यायालय से आरोपी महेंद्र यादव पिता भोलू यादव निवासी धामनोद की ओर से जमानत आवेदन प्रस्तुत किया था। जिसे न्यायालय ने निरस्त कर दिया।

अभियोजन व फरियादी के अधिवक्ता कि ओर से तर्क माननीय न्यायालय के समक्ष रखते हुए बताया कि किराना सामान का व्यापार करने वाली धामनोद की प्रतिष्ठित फर्म चंद्र पी खंडेलवाल पर वर्षो से कार्य करने वाले कर्मचारी महेंद्र यादव ने भरोसे का फायदा उठाते हुए गड़बड़ी कर विश्वासघात किया और फर्म के हिसाब मे लाखों रुपयो की हेरा-फेरी की है।

फरियादी को शंका तब हुई जब उनके अच्छे भले चलते व्यापार मे हानि होना प्रतीत होने लगा तब हिसाब की मांग किये जाने पर महेन्द्र ने सुबह - शाम का बहाना बनाया और काम पर ही नही आया। जांच मे यह भी पता लगा कि मात्र 15 हजार प्रतिमाह की नौकरी करने वाले महेंद्र के खाते मे लाखों रुपयों के ट्रांजेक्शन का होना भी शंकास्पद था, पुलिस ने मामले की जांच की और महेंद्र को गिरफ्तार कर पुलिस ने रुपयों की जप्ती भी की है।

नहाने के बहाने

अरे भाई! आज हम एक ऐसे मसले पर बात करने जा रहे हैं जो हर घर में चर्चा का सबब बनता जा रहा है–रोज़ाना नहाने का जुनून। ये क्या बकवास है? हर रोज़ नहाना, चाहे गर्मियों में हो या सर्दियों में, हमारे परिवार के लिए एक तरह का रिवाज़ बन गया है।

अब सोचो, गर्मियों में तो ठीक है–लेकिन सर्दियों में? खुदा ने सर्दियों को इस लिए बनाया था ताकि थोड़ी गर्मी का मजा ले सकें। लेकिन नहीं, हम तो ठंड से कांप रहे होते हैं और रोज़ाना नहाने की ज़िद करते हैं। ऐसा लगता है जैसे खुदा से ठंड के मौसम पर कोई शिकायत है। और नहाने और खाना खाने का क्या रिश्ता है? जैसे, मेरे एक दोस्त हैं जो, इतवार को उठते ही नहाते हैं, फिर खाना नहीं खाते। अरे भाई, क्या हम अपनी चमड़ी से खाना खाते हैं? तो फिर इस बेकार की बात पर क्यों ज़िद करते हैं?

रोज़ाना नहाने के लिए अनेकों तरीके से वजह दी जाती हैं। कुछ लोग कहते हैं, भाई, ये तो ताज़गी लाता है। लेकिन मुझे पता है कितने आलसी लोग हैं जो रोज़ाना नहाते हैं। काम पर ध्यान देना? ये तो दूसरी वजह से हो सकता है। टैलेंट और नहाने का कोई संबंध नहीं है; जितना ज़्यादा आप नहाते हैं, उतना ही आपका टैलेंट बढ़ता जाता है! अब यह कितना सही है नहाने वाले ही जानें।

मेरे एक दोस्त का कहना है कि रोज़ाना नहाना एक जरूरी आदत है। उसका कहना है कि ज़माना फ्यूडरल था, इसलिए फ्यूडरल लॉर्ड अपना ज़्यादा वक्त नहाने में बिताते थे। और आजकल का मध्यम वर्ग इस बौर्ज़्वा कल्चर को बढ़ावा दे रहा है। मजदूरों के पास तो नहाने का वक्त ही नहीं है!

और जो लोग रोज़ दो बार नहाने पर फख्र करते हैं, वो सोचते हैं कि उन्होंने कुछ बड़ा हासिल किया है। वो गुमान करते हैं, भाई, हम तो ठंडे पानी में दो बार नहाते हैं। सच में? आप अपनी सारी गर्मी ठंडे पानी में बहाकर बर्बाद कर रहे हैं। एक बार मैं एक मेहमान के साथ था जो ठंडे पानी से नहाना पसंद करता था। उसने कहा, भाई, आज सुबह मैंने देखा पानी भर गया था। मैंने सोचा लेकिन फिर भी नहाने चला गया। ये सुनकर मुझे में कंपकंपी मच गई! उसके साथ बैठना ऐसा था जैसे मैं बर्फ के टुकड़े पर बैठा हूँ। जब वो जाने लगा, मैंने उससे कहा, भाई, आपका इरादा लाजवाब है। आप इस ताकत को किसी बड़े काम में लगा सकते थे, न कि ठंडे पानी से नहाने में बेकार करने में। आने वाली नस्लें आपको गालियाँ देंगी, कहेंगी कि देश की बनावट के वक्त, बहुत से युवा ठंडे पानी से नहाने में अपनी ताकत बर्बाद करते रहे। इतिहास कभी आपको माफ नहीं करेगा! उसने बस हँसकर मेरी ओर देखा जैसे मैं मज़ाक कर रहा हूँ। अरे भाई, रीति-रिवाज़ की जड़ें कितनी गहरी हैं। रवींद्रनाथ टैगोर ने सही कहा था कि ज्ञान का फव्वारा रीति-रिवाज़ के रेगिस्तान में खो जाता है। तो अगर इस आर्टिकल को पढ़ने के बाद एक पाठक रोज़ाना नहाने का वक्त बर्बाद करना बंद कर देता है, तो मैं अपनी कोशिश को सफल समझूंगा।

माँ कालरात्रि की पूजा-अर्चना के बाद की महाआरती-

जावरा फोटो 3। श्री नवदुर्गा उत्सव समिति पटेल कॉलोनी में प्रतिदिन गरबे हो रहे है। माँ कालरात्रि की पूजा-अर्चना कर आरती अतिथि पूर्व जिला पंचायत सदस्य भेरुलाल पाटीदार, शिक्षा विभाग सहायक संचालक ज्योति पटेल, बलवंतसिंह चंद्रावत के आतिथ्य में संपन्न हुई। आरती के बाद प्रसादी का वितरण हुआ। साथ ही कन्याओं के लिए फरियाली का वितरण लाभार्थी परिवार द्वारा किया। अतिथियों को मातारानी का दुपट्टा ओढाकर श्री नवदुर्गा उत्सव समिति सदस्यों ने स्वागत किया। समिति संरक्षक कलमसिंह सिसोदिया, दशरथ पंवार, अशोक कुमार मुजाल्दे, नारायण ब्राह्मण, अमित पटेल, अध्यक्ष मनोहर मुजाल्दे, महासचिव सुधीर पंवार, उपाध्यक्ष हिम्मतसिंह डोडिया, सचिव वीरेंद्रसिंह डोडिया, कोषाध्यक्ष इंदरसिंह भयड़िया, सह कोषाध्यक्ष अनोखीलाल पांचाल, भागीरथ मालवीय, मनीष अहिरवार, अंबरी शतलाटी, राजपालसिंह डोडिया, अरुण जायसवाल, डॉ. अंकित विजयावत, केवलसिंह राठौर, बलवंतसिंह राठौर, विनीता कुंवर चौहान, चंचल कुंवर चौहान, सरदार सिंह बघेल, मनीष राठौर, पूनमसिंह अचाले, बिंदुसिंह अलावा, दीपक चौहान, गिर्राज भट्ट आदि आरती में उपस्थित थे।

गुम हुए बच्चों को घर पहुंचाने वाले दो आरक्षक हुए सम्मानित

जावरा । दो नन्हे बच्चे अपने घर से खेलते-खेलते हुए बाजार में निकल पडे और घर का रास्ता भटक गए थे। दोनो को सुरक्षित घर पहुंचाने वाले आरक्षको को एसपी ने सम्मानित किया है। मंगलवार को साढे 3 साल का बालक एवं ढाई साल की बालिका घर से बाहर खेलते हुए बाजार मे पहुंच गए। जो अपने घर का रास्ता भटक कर वापस घर नहीं जा पा रहे थे और अपने घर का पता भी नहीं बता पा रहे थे। दोनों बच्चों को चूड़ी बाजार से शहर थाना सिटी के चिता आरक्षक लक्ष्मण नागदा व आरक्षक जीवन विश्वकर्मा द्वारा सुरक्षित इनके परिजनों तक पहुंचाया गया।

42 विद्यार्थियों को साइकिल की वितरित

ढोढर । शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ढोढर में मध्य प्रदेश शासन की निशुल्क साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत कक्षा 9 वीं के पात्र कुल 42 विद्यार्थियों को साइकिल वितरित की गई। ढोढर पंचायत उपसरपंच जगदीश परमार, सचिव नाथुलाल एवं जनपद सदस्य प्रतिनिधि बसंतीलाल चौधरी एवं पालक, प्राचार्य एवं स्टाफ सदस्यों की उपस्थिति में विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित की गई।

अष्टमी पर मालीपुरा की निकली बाड़ी, आज सिटी क्षेत्र में निकलेगी

जावरा । प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी नवरात्रि की अष्टमी पर नया मालीपुरा से परंपरागत तरीके से बाड़ी निकाली गई। दोपहर 2.30 बजे निकली वाड़ी में बडी संख्या में श्रृद्धालु शामिल हुए।

चल समारोह में पंड़ाजी के हाथों में खप्पर और महिलाएं सिर पर ज्वारे लेकर चल रही थी। बड़ामाली पुरा व क्षेत्र के अन्य मार्गों का भ्रमण कर रपट रोड़ स्थित भेरूबावजी ओटले पर पुजा-पाठ के बाद समापन हुआ। आज शुक्रवार को नवमी पर हिंगलाज माता मंदिर से बाड़ी निकलेगी। वहीं सिटी क्षेत्र में चार अलग-अलग स्थानों से बाड़ी चल समारोह निकलेगा और ज्वारों का विसर्जन किया जाएगा। इधर भुतेड़ा में ककारी माता का ज्वारा विसर्जन समारोह शोभायात्रा के साथ नगाडों की गूंज के साथ प्रारंभ हुआ। चल समारोह में माता रानी हाथ में खप्पर लेकर चल रही थी, वहीं पुरुष व बालिकाएं ज्वारे सर पर उठाए हुए जब सड़कों पर निकले तो लगा कि संपूर्ण मार्ग माता रानी से सराबोर हो गया। चल समारोह में 15 से अधिक मां के भक्त बाना धारण किए हुए थे। मंदिर की परंपरा अनुसार पंडा खड्ग छप्पर व देवी के भाव लिए जनआकर्षण का केंद्र थे। शोभायात्रा ककारी माता मंदिर से प्रारंभ होकर बस स्टैंड श्री राम मंदिर हनुमान मंदिर होती तालाब में विसर्जन किया गया।

निराशाजनक परीक्षा परिणाम के विरोध में सौंपा ज्ञापन

जावरा । भगतसिंह शासकीय महाविद्यालय में एक साथ अनेक बच्चों के साथ हुए घटनाक्रम को लेकर छात्रा नेता ने आवाज उठाई और मामले को लेकर विश्व विद्यालय में शिकायत दर्ज कराते हुए अति शीघ्र विद्यार्थियों की समस्याएं हल करने की मांग की। छात्र नेता जितेन्द्र यादव ने बताया कि गत वर्ष बी.ए एवं बी.कॉम, बीएससी के परीक्षा परिणाम विश्व विद्यालय द्वारा घोषित किए गए। घोषित परिणामों में इतिहास, रसायन, विज्ञान, हिंदी एवं अंग्रेजी जैसे विषय में प्रत्येक संकाय के 65 से 70 प्रतिशत विद्यार्थियों को पूरक तथा समान अंक दिए गए। मामले को लेकर छात्र नेता यादव ने विश्व विद्यालय के अधिकारियों से

संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई तो पता चला कि महाविद्यालय के प्राध्यापक द्वारा सीसीई के अंक प्रेषित ही नही किए गए। जिसके चलते परिणामो में यह त्रुटि हुई है।

ज्ञापन के बाद जिम्मेदारों ने छात्रों को बताया कि हमने इस संबंध में विश्व विद्यालय को अवगत करा दिया है, जिन विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम में त्रुटिवश पूरक प्राप्त हुई है उसे सुधार कर पुनः परिणाम घोषित करवाने का प्रयास करेंगे। ज्ञापन के दौरान लक्की मालवीय, ऋषिराज सिंह गजेंद्र सिंह, शिवराजसिंह, रोहित विजवा, पंकज पाटीदार, ओशिन जैन, आसमा एवं महाविद्यालय के छात्रगण उपस्थित रहे।

स्वाद की आशक्ति छोड़कर 180 तपस्वीयों ने किया आयम्बिल

जावरा फोटो 6। सकल जैन संघ की आसोज मास की सामुहिक नवपद ओली का आयोजन जैन पंचायती नोहरा पर श्री श्वेतांबर पेढी ट्रस्ट संयोजन में गतिमान है। श्रीसंघ जावरा व श्री आत्मशुद्धि चातुर्मास समिति ने संपूर्ण ओलीजी का लाभ लिया। ओलीजी के दूसरे दिन 180 तपस्वीयों ने आयंबिल तप आराधना की। प्रश्न मंच के विजेता निर्मलाबाई बरमेचा, निधि डांगी, सपना सिसोदिया, सीमा जैन, हंसा मेहता, बसंतीलाल चपड़ोद का बहुमान कमल नाहटा, चंद्रप्रकाश ओस्तवाल, अभय चौपड़ा, अभय कांठेड़, विजय लुक्कड़ ने किया। प्रश्न मंच का संचालन सुभाष टुकड़िया ने किया। तप महोत्सव के सेवा

महारर्थी श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद अध्यक्ष ज्योती बोहरा का उनके मंडल द्वारा उत्कृष्ट सेवा के लिए बहुमान तपस्वी संध्या चत्तर, हेमा पगारिया ने किया। श्रीसंघ अध्यक्ष अशोक लुक्कड़, राजेश बरमेचा, पारस ओस्तवाल, सुरेन्द्र पोखरना, श्रेणिक चौहान, महेंद्र संचेती, सुरेंद्र सुराणा, आशीष धारीवाल, पुखराज चत्तर, महावीर जैन, राजेश संघवी, मितेश कर्नावट, ओनिश पगारिया, अनिल ओस्तवाल, निलेश दसेड़ा, विनोद बरमेचा, अंगुरबाला छाजेड़, मधु लुक्कड़, सरिता ओस्तवाल, साधना कोचट्टा, हेमा पोखरना, मुस्कान कोचट्टा, आयुषी रांका आदि उपस्थित थे।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर भारतीय ज्ञान से कराया परिचित

भगतसिंह शासकीय महाविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता हुई आयोजित

जावरा । भगतसिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा से परिचित कराए जाने के लिए त्रैमासिक कैलेंडर के अनुसार यह गतिविधि आयोजित की गई। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. विद्या तिवारी ने विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा की इस श्रृंखला के उद्देश्य से परिचित करवाते हुए बताया कि वर्तमान में हम पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव के कारण अपनी संस्कृति एवं परंपरा से दुर हटते जा रहे है। इस दौरान वर्तमान परिदृश्य में मानसिक स्वास्थ्य की प्रासंगिकता विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें कुमारी

अर्पिता पाटीदार ने प्रथम, निर्मला चंद्रवंशी ने द्वितीय तथा विनयराज शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित प्रेरक वीडियो का प्रदर्शन भी किया गया। हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ.आभा सक्सेना व प्राणिकी विभागाध्यक्ष डॉ. बीएस किराड़े ने डिजिटल उपकरण एवं मानसिक स्वास्थ्य पर अपने विचार प्रकट किए।

निराशा में व्यक्ति को नहीं रहना चाहिए अकेला

मुख्यवक्ता समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. मंजुला एलांसे ने मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित प्राचीन परंपराओं तथा निदान पद्धति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। स्वस्थ मस्तिष्क सामाजिक जीवन, समुदाय और परिवार का मूल आधार होता है। तनाव, चिंता एवं निराशा के क्षणों में व्यक्ति को अकेला नहीं रहना चाहिए। अच्छे मित्रों के साथ संवाद, आध्यात्म एवं योग मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करने के महत्वपूर्ण आधार है। इस दौरान प्रो. संगीता जटिया, प्रोफेसर रमेश वसुनिया, प्रो. प्रीति वर्मा, डॉक्टर सरिता बैरवा, डॉ. दुष्यंत भदोरिया, डॉ. मनीषा भाटी, डॉ. वंदना राजावत, प्रो. दीपिका पटवा तथा बहुसंख्यक विद्यार्थी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। संचालन भारतीय ज्ञान परंपरा गतिविधि की संयोजक डॉ. रश्मि पाल ने किया।

भैसाना शासकीय हाई स्कुल में साइकिल की वितरित

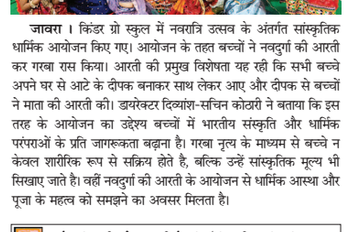

जावरा । मध्य प्रदेश शासन स्कुल शिक्षा विभाग द्वारा निशुल्क साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत ग्राम भैसाना में गुरुवार को शासकीय हाई स्कुल में साइकिल वितरित की गई। पात्र 11 बच्चों को साइकिल दी गई। प्राचार्य शीलारानी तोमर ने बताया कि बच्चों को साइकिल इसलिए दी गई ताकि दूर से आने वाले बच्चे समय पर स्कुल आ सके। शिक्षक बालाराम परिहार ने

बताया कि ढाई से 3 किलो मीटर दूर से स्कुल आने वाले बच्चों को निशुल्क साइकिल दी जाती है। सरपंच पुजा पासी, सचिव प्रकार चांवला और बच्चों के अभिभावक, शिक्षकगण की उपस्थिति में वितरित की गई। इस दौरान योजना के तहत 7 बालिका और 4 बालकों को साइकिल प्रदाय की जिसमें कक्षा 9 वीं की अक्षरा भाटी, आरती, कल्पना, कन्हैयालाल खारोल, लक्कीराजसिंह, प्रियाशी भाटी, रेशमा बी, सानिया भाटी, सिया भाटी, तिलकराम, विशाल को साइकिल मिली।

किंडर ग्रो स्कुल में बच्चों ने किया गरबा रास

जावरा । किंडर ग्रो स्कुल में नवरात्रि उत्सव के अंतर्गत सांस्कृतिक धार्मिक आयोजन किए गए। आयोजन के तहत बच्चों ने नवदुर्गा की आरती कर गरबा रास किया। आरती की प्रमुख विशेषता यह रही कि सभी बच्चे अपने घर से आटे के दीपक बनाकर साथ लेकर आए और दीपक से बच्चों ने माता की आरती की। डायरेक्टर दिव्यांश-सचिन कोठारी ने बताया कि इस तरह के आयोजन का उद्देश्य बच्चों में भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। गरबा नृत्य के माध्यम से बच्चे न केवल शारीरिक रूप से सक्रिय होते है, बल्कि उन्हें सांस्कृतिक मूल्य भी सिखाए जाते है। वहीं नवदुर्गा की आरती के आयोजन से धार्मिक आस्था और पूजा के महत्व को समझने का अवसर मिलता है।

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग रतलाम
//नामान्तरण सूचना//

विनोबा नगर रतलाम स्थित मण्डल की आवासीय कॉलोनी की योजना (343/30 एल.आई.जी विनोबा नगर रतलाम) स्थित भवनो में से भवन क्र. ए-12, श्री बिहारीलाल पिता श्री खाडूजी पथरोड़ के नाम से आवंटन आदेश दिनांक 04.03.2008 द्वारा एकमुश्त आधार (ऑफर) पर आवंटित किया गया था। श्री बिहारीलाल पिता श्री खाडूजी पत्थरोड द्वारा उक्त भवन की तद्समय की सम्पूर्ण राशि जमा कराने के पश्चात् उक्त भवन का विक्रय-विलेख एवं करार उप पंजीयक कार्यालय रतलाम में दिनांक 16.05.2011 को पंजीकृत करा लिया गया है। श्री बिहारीलाल पिता श्री खाडूजी पथरोड का देहांत दिनांक 19.01.2022 एवं उनकी पत्नि श्रीमती श्यामबाई पति श्री बिहारीलाल पत्थरोड का देहान्त दिनांक 09.06.2020 को हो चुका है। पिता एवं माता की मृत्यु उपरान्त उक्त भवन का नामान्तरण आवंटी के पुत्र श्री प्रेमचन्द्र पत्थरोड़ पिता स्व. श्री बिहारीलाल पत्थरोड़ के नाम से चाहा गया है। इस सम्बन्ध में आवंटी कि पुत्रीयो 1. रेखा चॉवरे पति श्री जीवनलाल चॉवरे पिता 2. श्रीमती निर्मला कल्याणे पति श्री जगदीश कल्याणे स्वं श्री बिहारीलाल पत्थरोड़ के शपथ पत्र के माध्यम से नामान्तरण हेतु सहमति प्रदान की गई है।

भवन क्र. ए-12, एल.आय.जी विनोबा नगर रतलाम, को मृत्यु उपरान्त, परिवार कि सहमति के आधार पर स्वं. श्री बिहारीलाल पिता श्री खाडूजी पथरोड के नाम से श्री प्रेमचन्द्र पथरोड़ पिता स्व. श्री बिहारीलाल पत्थरोड के नाम नामान्तरण किया जाना प्रस्तावित है। इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति या सम्बन्धित को आपत्ति हो तो मय ठोस प्रमाण पत्र के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 15 दिन की अवधि में लिखित रूप में आपत्ति प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि व्यतीत होने के उपरान्त भवन क्र. ए-12 एल.आई.जी विनोबा नगर रतलाम, को मृत्यु उपरान्त परिवार कि सहमति के आधार पर स्वं. श्री बिहारीलाल पिता श्री खाडूजी पथरोड के नाम से श्री प्रेमचन्द्र पत्थरोड़ पिता स्व. श्री बिहारीलाल पथरोड के नाम कर दिया जावेगा तथा इसके पश्चात किसी भी प्रकार का दावा या उज मान्य नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
म.प्र.गृ.नि. एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम

नवरात्रि पर्व पर संधारा में भन्डारे का आयोजन किया

भानपुरा (मन्दसौर) । ग्राम संधारा में दीपक टेंट हाउस एवं मित्र मंडल द्वारा रामगंज मंडी- भानपुरा सड़क मार्ग पर नवरात्री के उपलक्ष्य में माताजी के दर्शनार्थ जाने वाले पैदल यात्रियों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। साथ ही इस अवसर पर नव दुर्गा गरबा मंडल गड़ी चौक के कार्यकर्ताओं के द्वारा गरबा नृत्य प्रस्तुत किया जाकर आयोजन को मनमोहक व भव्य बनाया गया। भन्डारे की प्रशादी का लाभ सैंकड़ों श्रद्धालु जनों द्वारा प्राप्त किया गया।

इनरव्हील क्लब ऑफ मंदसौर दशपुर की जनरल मीटिंग सम्पन्न हुई

मन्दसौर। इनरव्हील क्लब ऑफ मंदसौर दशपुर की मासिक मीटिंग सम्पन्न हुई। जिसमें सभी मेंबर्स नवरात्रि की थीम पर सजकर आये। मीटिंग में डॉ. चारू गोयल के द्वारा न्यूट्रीशन व हेल्थ पर विशेष सेमिनार आयोजित किया। इसके साथ ही डांस विथ आयुषी की कोरियोग्राफी आयुषी पोरवाल के द्वारा मनमोहक गरबा की कोरियोग्राफी की गई, सभी सदस्यों ने साथ में गरबा खेला। क्लब द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे बेस्ट ड्रेस अप पायल कोठारी व सुरक्षा चौधरी, डांडिया क्वीन आरती पारिख व अर्ली बर्ड मीना पोरवाल को मिला। क्लब अध्यक्ष मेघा पोरवाल ने बताया कि अभी नवरात्रि का समय है जिसको लेकर महिलाओं में अपार उत्साह रहता है। जिसको लेकर नवरात्रि थीम पर यह मीटिंग आयोजित की गई। क्लब सदस्यों ने रेम वॉक की प्रस्तुति भी दी। इस दौरान क्लब के सदस्यों का जन्मदिन केक काटकर उन्हें ग्रीटिंग देकर मनाया गया। मीटिंग का अरेंजमेंट क्लब सदस्य पीनल भूता द्वारा किया गया। इनरव्हील प्रार्थना सचिव सोनम मेहता द्वारा तथा कार्यक्रम का संचालन दिव्या कांकरिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर दिप्ती जैन, प्रीति रत्नावत, अनिता तलेरा, राखी परवाल, उषा टेकवानी, रीना पोरवाल, अनुभा उकावत, अंशु जैन, पूजा बग्गा, रीना पोरवाल, सारिका पोरवाल आदि उपस्थित थी। आभार क्लब ट्रेजरार नेहा संचेती ने माना।

विद्यालय में पौधारोपण किया गया

चौमहला । गुरुवार को दुर्गाष्टमी के अवसर पर स्थानीय विद्यालय रा.उ.मा.वि. बरडिया बिरजी में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया ।इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता वृक्षमित्र सेवानिवृत कृषि पर्यवेक्षक दशरथनंदन पांडे ने की,मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य महात्मा गांधी विद्यालय कुमोद शर्मा रहे। दशरथ पांडे ने छात्रों को कृषि ,पर्यावरण,वृक्षारोपण के फायदे के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर प्रेरित होकर स्थानीय विद्यालय की छात्रा वर्षा और मनीषा ने जन्मदिन के अवसर पर विद्यालय मे अतिथियों द्वारा 5 वृक्ष लगाए गए। वृक्षों की सुरक्षा की जिम्मेदारी छात्रों ने ली।प्रधानाचार्य रमेश जैन ने आभार व्यक्त किया।

संभाग बनाओ आंदोलन के लिए जनप्रतिनिधि और राजनीतिक दल भी शामिल हों

मंदसौर। संभाग बनाओ आंदोलन के तहत गांधी चौराहा पर मंदसौर नागरिक मंच द्वारा चलाए जा रहे पोस्टकार्ड अभियान के नौवे दिन बड़े साथ ओसवाल जैन समाज और माली समाज के महानुभाव शामिल हुए। अभियान में बड़े साथ ओसवाल समाज महिला मंडल की सदस्याएं भी इस अभियान में सम्मिलित हुई। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार श्री महावीर अग्रवाल ने कहा कि मंदसौर को संभाग बनाने की मांग बिल्कुल वाजिब है। भविष्य में जावरा और गरोठ जिले बनते हैं तो मंदसौर संभाग मुख्यालय होने से इन नए जिलों को भी लाभ मिलेगा। नगर के नागरिकों और सामाजिक संगठनों के साथ ही जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों को भी इस अभियान में शामिल होना चाहिए। वरिष्ठ समाजसेवी विजय सुराणा ने कहा कि मंदसौर को संभाग बनाने से इस क्षेत्र में विकास के नए पंख लगेंगे और हर वर्ग को उसका लाभ मिलेगा।

गायों को हरे चारे का आहार कराया गया

मंदसौर । अखिल भारतीय श्री राजेंद्र जैन तरुण परिषद शाखा मंदसौर द्वारा गुरुदेव राजेंद्रसूरी जी म सा के 200 वी जन्म शताब्दी निमित गोपाल कृष्ण गौशाला बस स्टैंड में दादागुरुदेव राजेंद्र सुरिश्वं जी महाराजा के चित्र पर माल्या अर्पण कर नवकार मंत्र का जाप कर गौ माता की पूजा कर हरे चारे का आहार कराया गया यह प्रकल्प 200 वी जन्म जयंती पूर्ण होने तक हर महीने की सुदी सप्तमी पर किया जाता है इसी अवसर पर गोशाला परिसर मे परिषद अध्यक्ष अमन डोसी ने बताया की आचार्य श्री पुण्य सम्राट जयंतसेन सुरी जी म सा ने जो बीज लगाया था आज वो वृक्ष के रूप में पुरे देश मे परिषद की शाखाएँ सेवा कार्य मे लगी हुई है ।

विद्यार्थी जीवनरूपी वृक्ष की जड़े घर परिवार से पोषित होती हैं - कलेक्टर श्रीमती गर्ग

मन्दसौर। शा. उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर में त्रैमासिक परीक्षा उपरांत शिक्षण सत्र 2024-25 की द्वितीय पालक शिक्षक संघ की बैठक का आयोजन विद्यालय में दिनांक 10 अक्टूबर, गुरुवार को किया गया है।

उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर में पालक शिक्षक संघ की बैठक हुई

बैठक में विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष सह जिला कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग मार्गदर्शन हेतु उपस्थित रही। कलेक्टर श्रीमती गर्ग द्वारा सभी पालकों एवं विद्यार्थियों को शिक्षा पर विशेष ध्यान देते हुए स्मरण रखने की तकनीक पर जोर देने की बात कही गई। सभी छात्रों को स्वस्थ प्रतियोगिता, सफलता की ललक एवं निरंतर प्रयास करते रहने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थी जीवनरूपी वृक्ष की जड़े घर परिवार से पोषित होती है और विद्यालय की शिक्षा इस वृक्ष को सिंचित करती है। शिक्षा घर से ही प्रारम्भ होती है, अतः सभी पालकगणों को विद्यालय में हो रही गतिविधियों एवं शिक्षण कार्य में अपना सहयोग निरंतर करते रहना चाहिए। कार्यक्रम में त्रैमासिक परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को एवं साथ ही विश्व पर्यटन दिवस पर आयोजित निबंध, चित्रकला और स्लोगन प्रतियोगिता में जिला स्तर पर उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर के विद्यार्थियों ने सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया था जिन्हें कलेक्टर द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा के श्री लोकेन्द्र डाबी एवं लगभग 350 पालकगण ने उपस्थित होकर सहभागिता की। बैठक में उपस्थित पालकों ने विद्यालय संचालन में आ रही कुछ समस्याओं से प्राचार्य एवं शिक्षकगणों को अवगत करवाया विद्यालय की प्राचार्य डॉ. विनीता प्रधान ने सभी पालकों की समस्याओं के निराकरण के लिए आश्वस्त किया। अंत में विद्यालय की प्राचार्य डॉ. विनीता प्रधान ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पुलिस ने चंदन चोर पकड़ा में मिली सफलता

सीतामऊ (कांजी भाई) । ग्राम दीपा खेड़ा में हुई चंदन चोरी की घटना में साताखेड़ी पुलिस द्वारा चंदन चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया गया ।

वही आरोपी से चंदन भी बरामद कर लिया गया । पुलिस द्वारा दी गई जानकारी अनुसार सीतामऊ थाना प्रभारी मोहनलाल मालवीय द्वारा गठित टीम में साताखेड़ी चौकी प्रभारी शुभम व्यास द्वारा विगत माह ग्राम दीपाखेड़ा में हुई चंदन चोरी को ट्रेस करते हुए चोरी के आरोपियों ऊँकारलाल पिता गोपाल बागड़ी उम्र-40 वर्ष निवासी माऊखेड़ा तहसील सीतामऊ जिला मंदसौर को गिरफ्तार कर चोरी किया गया चंदन बरामद करने में सफलता प्राप्त की है- दिनांक 28.7.2024 को फरियादी भारत सिंह पिता रणजीत सिंह चौहान निवासी दीपाखेड़ा ने सीतामऊ थाने पर उपस्थित होकर अपने कृषि फार्म पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा चंदन के पेड़ को काटकर चंदन चोरी करने के संबंध में सीतामऊ थाने पर रिपोर्ट दर्ज करवाई थी । सीतामऊ थाने पर अपराध क्रमांक 440/ 24 धारा 303(2) का पंजीकृत कर विवेचना में लिया गया था विवेचना के दौरान संबंधित आरोपियों के निवास स्थान पर तथा वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर ग्राम माऊखेड़ा के व्यक्तियों द्वारा वारदात को अंजाम देना पाया गया । जिस पर आरोपियों ऊँकारलाल पिता गोपाल बागड़ी उम्र 40 साल निवासी माऊखेड़ा तहसील सीतामऊ जिला मंदसौर गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है । ऊँकारलाल के अन्य साथियों की तलाश जारी की जा रही है उक्त सराहनीय कार्य में निरीक्षक सीतामऊ थाना प्रभारी मोहन मालवीय उप निरीक्षक साताखेड़ी प्रभारी शुभम व्यास प्रधान आरक्षक योगेश यादव ,प्रधान आरक्षक रईस हुसैन ,प्रधान आरक्षक आशीष साइबर सेल ,आरक्षक पप्पू लाल डांगी, आरक्षक नितेश ,सैनिक बहादुर सिंह सैनिक देवीलाल, सैनिक गोपाल सिंह का विशेष योगदान रहा ।

श्री बड़वाले बालाजी मंदिर नालछा पर आयोजित हुआ श्री सीताराम महोत्सव

मन्दसौर। नालछा माता मंदिर रोड़ पर स्थित अति प्राचीन व चमत्कारी श्री बड़वाले बालाजी मंदिर पर श्री सीताराम महोत्सव आयोजित किया गया। यहां पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर सभी की सुख समृद्धि की कामना को लेकर महाहवन में आहूति दी।

महाआरती पश्चात् प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर सेवक दलपतसिंह पंवार ने बताया कि श्री बड़वाले बालाजी मंदिर वर्षो पुराना मंदिर है। यहां विराजित बालाजी भक्तों के दुख हरते है। श्री सीताराम महोत्सव में विधि विधान से आयोजित महाहवन में भक्तों ने आहुति देकर सुख समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर ज्योतिष गुरू विनोद रूनवाल, अनिल सुराह, कपिल सोलंकी, गोविन्द नागदा, महेन्द्रसिंह सिसौदिया, रवि माईकल, शिवशंकर सोलंकी, कमल कण्डारे, लक्षराजसिंह सिसौदिया, रवि ग्वाला सहित अनेक श्रद्धालुओं ने हवन में पूर्णाहुति दी। उक्त जानकारी रवि ग्वाला ने दी।

दशहरा उत्सव की तैयारी

आज कालेज मैदान में खड़े किए जाएंगे तीनों पुतले

मंदसौर । दशपुर दशहरा उत्सव समिति के तत्वावधान में विजयदशमी पर्व 12 अक्टूबर शनिवार को कॉलेज ग्राउंड में संध्या 6.30 बजे से आयोजित होने वाले भव्य दशहरा उत्सव की तैयारी पूरे चरम पर चल रही है।

उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. भानु प्रताप सिंह सिसोदिया ने बताया कि आज 11 अक्टूबर शुक्रवार को रावण मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों को कॉलेज मैदान में खड़ा किया जाएगा। कॉलेज मैदान में विजयदशमी पर्व पर हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ का भी अभिनव आयोजन होने जा रहा है पं. दशरथ भाई शर्मा और संस्कृत पाठशाला के बटुक मंत्रोचार के साथ हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ संपन्न कराएंगे। डॉ. सिसोदिया ने आम जनों से निवेदन किया है कि जब कॉलेज मैदान में दशहरा उत्सव के अंतर्गत हनुमान चालीसा का पाठ हो तब अपने चरण पादुकाएं जरूर उतार दें। उन्होंने बताया कि मैदान में हनुमान जी का एक बड़ा स्टेचू भी स्थापित किया जा रहा है दशहरा उत्सव में सम्मिलित होने वाले प्रत्येक व्यक्ति को कुमकुम चंदन का तिलक लगाया जाएगा यह दायित्व गायत्री परिवार द्वारा निभाया जाएगा 30 सदस्यों की टोली सभी के मस्तक पर कुमकुम तिलक लगाएगी। साथ ही इस बार एक और नवाचार यह किया जा रहा है कि हर घर से बच्चे और युवा हनुमान बनकर दशहरा उत्सव में शामिल हों यह भी आव्हान किया गया है।

डॉ.सिसोदिया ने समिति के समस्त सदस्यों से आग्रह किया है कि 11 अक्टूबर को तीनों पुतलों को कॉलेज मैदान में खड़ा किया जाएगा इस मौके पर सहयोग के लिए सभी यहां एकत्र होंवे। उल्लेखनीय है कि विजयदशमी पर्व पर कॉलेज मैदान में मालवांचल का सबसे भव्य दशहरा उत्सव जिसमें रावण का 71 फीट और मेघनाद और कुंभकरण के 41- 41 फीट के पुतले जलाए जाएंगे। रावण की गर्दन घूमेगी तलवार वाला हाथ चलेगा, आंखें झपकेगी। भव्य आतिशबाजी के नजारे भी दशहरा उत्सव के खास आकर्षण रहेंगे। समिति अध्यक्ष डॉ. सिसोदिया में नगर और अंचल के नागरिकों से सपरिवार इष्ट मित्रों सहित अधिक से अधिक संख्या में दशहरा उत्सव में सम्मिलित होने का आह्वान किया है।

मंदसौर में हल्की बूंदाबांदी हुई,

20 अक्टूबर तक ठंडक बढ़ने का अनुमान

मंदसौर । मन्दसौर जिले से मानसून लौट गया है। लेकिन गुरुवार को दो सिस्टम की एक्टिविटी के चलते बादल छाए हुए रहे। अल सुबह मन्दसौर शहर में हल्की बूंदाबांदी हुई। इसके साथ ही जिले में सुबह से बादलों की आवाजाही बनी हुई है। हालांकि बारिश की संभावना नहीं है। आज बादल छाए रहेंगे कहीं हल्की बूंदाबांदी हो सकती हैं। जिले में अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

20-21 अक्टूबर से बढ़ेगी ठंडक

मौसम विभाग के अनुसार, 20 अक्टूबर तक प्रदेश में ठंडक बढ़ने का अनुमान है। रात में पारा 20 डिग्री के नीचे पहुंच सकता है। हालांकि, दिन में तापमान 33-34 डिग्री के बीच ही रहेगा। अक्टूबर के आखिरी में दिन के तापमान में भी गिरावट होने लगेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, दशहरे से पहले मानसून लौट जाएगा। ऐसे में अबकी बार दशहरे पर बारिश नहीं होगी। बता दें कि पिछले 2 साल से नवरात्रि और दशहरे पर बारिश हो रही है।

फ्रिअस फ्लायर्स फाउंडेशन समाजसेवा के क्षेत्र में आगे बढे - जिला पंचायत अध्यक्ष

मंदसौर। फ्रिअस फ्लायर्स फाउंडेशन एनजीओं का 7 अक्टूबर को एक कार्यक्रम में शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री मति दुर्गा डॉ विजय पाटीदार जिला पंचायत अध्यक्ष मंदसौर, विशेष अतिथि - श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर नगर पालिका अध्यक्ष, मंदसौर, प्रियंका राजोरा वात्सल्य धाम प्रबंधक, सीमा नागर विधिक न्यायालय वॉलिंटियर, किरण वैष्णव ग्रह मंत्रालय एसएसएफ, राजेश नामदेव रेडक्रॉस समिति सदस्य, डॉ. विजय गिर और डॉ गोविंद वैष्णव उपस्थित थे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार ने कहा कि फ्रिअस फ्लायर्स फाउंडेशन समाजसेवा के क्षेत्र में आगे बढे और जरूरतमंदों की मदद करता रहें यही हमारी शुभकामनाएं है। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने कहा कि फ्रिअस फ्लायर्स फाउंडेशन नवगठित संस्था है मेरी शुभकामनाएं है कि संस्था अपने उद्देश्यों में सफल हो और मानव सेवा में लगी रहें। इस आयोजन में बडी मात्रा में लोगो ने आकर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संस्था के सदस्य सुनिल शर्मा,सुनील कुमार,अशोक कुमार यादव ,जगदीश चंद्र बैरागी, प्रदीप ठन्ना, भारत सिंह, विजय बैरागी, कमलेश बैरागी, पंकज सोनी ,अनिल टेलर, लक्की शर्मा, विक्रम बैरागी, रमेशचंद्र गहलोत, सुरेश बैरागी, हरिओम धाकड़ सहित फ्रिअस फ्लायर्स फाउंडेशन के सभी सदस्य उपस्तिथि में एनजीओं का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप ठन्ना ने किया। समापन पर एफएफएफ परिवार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

हायर सेकेंडरी स्कूल डिगांवमाली में निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम संपन्न

डिगावमाली ।हायर सेकेंडरी स्कूल डिगावमाली में कक्षा 9वी में बाहर गांव से आने वाले छात्र-छात्राओं को शासन द्वारा प्रदत्त निःशुल्क साइकिल प्रदान की गई ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री बसंत शर्मा अध्यक्ष जनपद पंचायत मंदसौर द्वारा छात्रों को माला पहनाकर सम्मानित करते हुए 44 साइकिल प्रदान की गई।

शक्ति अभिनंदन अभियान अंतर्गत मार्शल आर्ट प्रदर्शन बरखेड़ा लोया में आयोजन किया गया

मन्दसौर । महिला एवं बालिका सशक्तिकरण जागरूकता हेतु शक्ति अभिनंदन अभियान अंतर्गत आज महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जनता कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बरखेड़ा लोया में मार्शल आर्ट प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे मार्शल आर्ट कोच व टीम के द्वारा मार्शल आर्ट का प्रदर्शन कर बालिकाओं को आत्मरक्षा हेतु आक्रामक व रक्षात्मक शैली का प्रशिक्षण दिया गया।

थाना गांधीसागर पुलिस द्वारा 24 घंटे में

नाबालिग अपहर्ता को बरामद किया

भानपुरा (मन्दसौर) । पुलिस थाना गांधीसागर द्वारा मंगलवार को गुमशुदगी दर्ज कर नाबालिग गुमशुदा को 24 घंटे में बुधवार को बरामद कर उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया । घटना का विवरण देते हुए पुलिस थाना प्रभारी तरुणा भारद्वाज ने बताया कि सूचनाकर्ता की रिपोर्ट पर थाना गांधीसागर पर अपराध क्रमांक 75/2024 धारा 137(2) बीएनएस का कायम कर विवेचना मे लिया गया। विवेचना के दौरान पता चला की नाबालिग बालिका परिजनो को बिना बताये अपनी नानी के यहां नीमच जिले में चली गई थी । सूचना पर नाबालिग बालिका को थाना गांधीसागर द्वारा तत्काल हरकत में आकर बरामद कर परिजनो के सुपुर्द किया गया । कार्यवाही में विशेष भुमिका थाना प्रभारी निरी. तरुणा भारद्वाज ,सउनि दौलत सिंह पंवार,कार्य.प्र.आर. 401 विशाल यादव,आर. 842 मंगलेश पाटीदार, म.आर. 163 प्रतिभा धुर्वे का विशेष योगदान रहा । इसी प्रकार शुक्रवार 4 अक्टूबर को भी गांधीसागर पुलिस द्वारा एक नाराज बालिका को नसीराबाद से उसके रिश्तेदार काकी के यहां से बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया था ।

मैं हर घर दुर्गा अभियान का चेहरा बनकर खुश हूं

केरल स्टोरी को भारत में अब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली महिला मुख्य फिल्म घोषित किया गया है। अदा की एक बड़ी महिला प्रशंसक है, विशेष रूप से द केरल स्टोरी के बाद और कमांडो को हर घर दुर्गा अभियान के लिए चेहरे के रूप में हस्ताक्षरित किया गया है।यह अभियान महाराष्ट्र सरकार द्वारा शुरू किया गया है और यह युवा लड़कियों को आत्मरक्षा तकनीकों में प्रशिक्षित करेगा।अदा कहती हैं, ÷मैं हर घर दुर्गा अभियान का चेहरा बनकर खुश हूं। मेरा मानना है कि दुर्गा सभी महिलाओं में निवास करती हैं। यह अद्भुत है कि लड़कियों को इतनी कम उम्र में आत्मरक्षा सिखाई जा रही है।

अक्षय ओबेरॉय ले रहे हैं मिक्स मार्शल आर्ट ट्रेनिंग

प्रशंसित अभिनेता अक्षय ओबेरॉय ने अपने अगले बहुप्रतीक्षित एक्शन प्रोजेक्ट की तैयारी के लिए मिक्स मार्शल आर्ट में कड़ी ट्रेनिंग शुरू कर दिया है। यह भूमिका पहली बार दर्शाती है कि अक्षय एक पूर्ण एक्शन सीक्केंस में शामिल होंगे, और सूत्रों के अनुसार, अभिनेता इस नई चुनौती से रोमांचित हैं। प्रामाणिकता के प्रति समर्पण और अपनी भूमिकाओं की मांगों को पूरा करने के लिए अपनी काया को अनुकूलित करने की प्रतिबद्धता के लिए जाने जाने वाले अक्षय ने पहले ÷फाइटर÷ में अपनी भूमिका के लिए दुबला-पतला लुक अपनाया था। अक्षय ने कहा, ÷न्यू जर्सी में बड़े होने के दौरान छोटी उम्र में ही मेरी रू में रुचि विकसित हो गई। समय के साथ, इसके प्रति मेरा जुनून गहरा हो गया और मैंने गंभीरता से ट्रेनिंग लेना शुरू कर दिया, क्योंकि मुझे लगा कि रू कौशल का फायदा मेरे अभिनय करियर में होगा क्यों की मैं एक्टर बनना चाहता था।

इंडियन एयरफोर्स डे- अनिल कपूर ने दिया ट्रिब्यूट

अनिल कपूर, जिन्होंने अपनी फिल्म फाइटर से बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड तोड़ा, जिसमें उन्होंने ग्रुप कैप्टन राकेश जयसिंह उर्फ रॉकी की भूमिका निभाई, उन्होंने इंडियन एयरफोर्स डे पर सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दी। अभिनेता ने रॉकी के रूप में अपनी एक तस्वीर के साथ लिखा।इस भारतीय वायु सेना दिवस पर, हमारे आसमान को सुरक्षित रखते हुए ऊंची उड़ान भरने वाले नायकों को मेरा हार्दिक सलाम। मुझे भारतीय वायु सेना के अविश्वसनीय व्यक्तियों से मिलने और उनसे दोस्ती करने का सम्मान मिला है और उनका समर्पण प्रेरणा देता रहता है। भविष्य में और भी युवा भारतीय इस विशिष्ट बल में शामिल हों और इसे पहले से कहीं अधिक मजबूत बनाएं। Indian Air Force Day Salute To Our Heroes. जनवरी 2024 में रिलीज़ हुई, फाइटर जल्दी ही साल की पहली सबसे यादा कमाई करने वाली हिंदी फ़िल्म बन गई, जिसने अपनी रोमांचक कहानी, स्टार स्टडेड कास्ट और देशभक्ति के सशक्त संदेश से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

'द कपल सॉन्ग' के 250 मिलियन व्यूज

रॉकस्टार डीएसपी द्वारा कम्पोज 'द कपल सॉन्ग' ने 6 भाषाओं में 250 मिलियन से ज़्यादा व्यूज और 2.2 मिलियन से ज़्यादा लाइक प्राप्त किए! इस आकर्षक ट्रैक ने हाल ही में छह भाषाओं में 250 मिलियन से ज़्यादा व्यूज और 2.2 मिलियन से ज़्यादा लाइक प्राप्त किए। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कम्पोजर ने अपने सोशल मीडिया पर इस उपलब्धि को साझा किया। यह सफलता न सिर्फ फिल्म के प्रमोशन पर प्रकाश डालती है बल्कि रॉकस्टार डीएसपी के चार्टबस्टर्स देने की क्षमता को भी दर्शाती है।'द कपल सॉन्ग' के अलावा, फिल्म के टाइटल ट्रैक को भी दर्शकों से शानदार रिस्पांस मिला है, जो रॉकस्टार डीएसपी की संगीत प्रतिभा को और ज़्यादा देखने के लिए उत्सुक हैं। हाल ही में, डीएसपी ने अपने शानदार प्रदर्शन से द्धद्ध के मंच पर धूम मचा दी।

बचपन की तस्वीरें शेयर कर भावुक हुईं कंगना रनोट

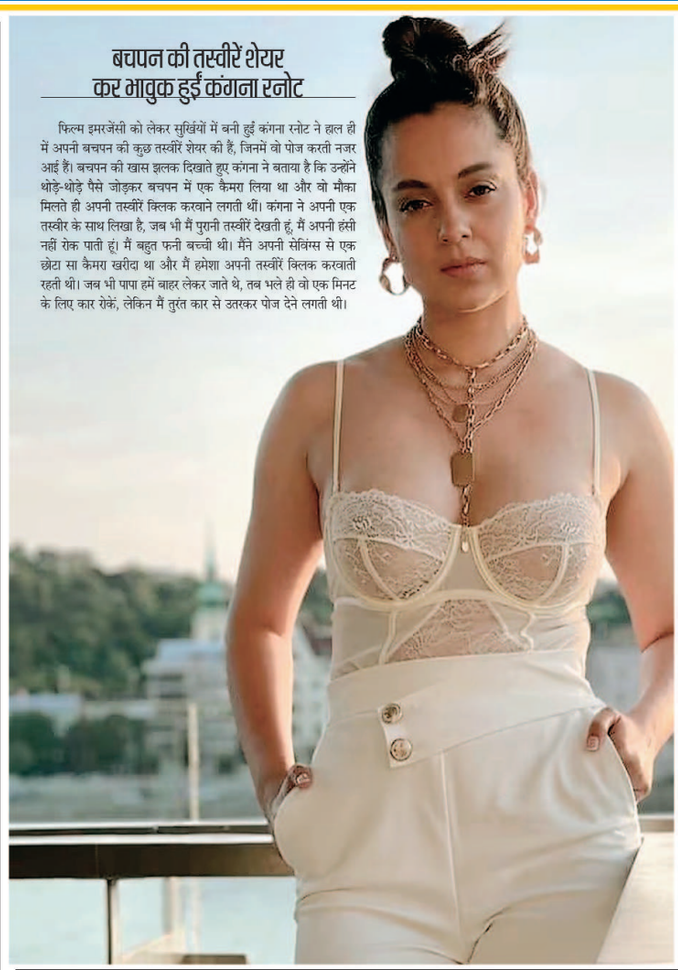

फिल्म इमरजेंसी को लेकर सुर्खियों में बनी हुईं कंगना रनोट ने हाल ही में अपनी बचपन की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो पोज करती नजर आई हैं। बचपन की खास झलक दिखाते हुए कंगना ने बताया है कि उन्होंने थोड़े-थोड़े पैसे जोड़कर बचपन में एक कैमरा लिया था और वो मौका मिलते ही अपनी तस्वीरें क्लिक करवाने लगती थीं। कंगना ने अपनी एक तस्वीर के साथ लिखा है, जब भी मैं पुरानी तस्वीरें देखती हूं, मैं अपनी हंसी नहीं रोक पाती हूं। मैं बहुत फनी बच्ची थी। मैंने अपनी सेविंग्स से एक छोटा सा कैमरा खरीदा था और मैं हमेशा अपनी तस्वीरें क्लिक करवाती रहती थी। जब भी पापा हमें बाहर लेकर जाते थे, तब भले ही वो एक मिनट के लिए कार रोकें, लेकिन मैं तुरंत कार से उतरकर पोज देने लगती थी।

पारंपरिक बंगाली पूजा का लुक बहुत पसंद है

अभिनेता जयदीप सिंह, जो वर्तमान में शो इस इश्क का रब्ब रखा में नज़र आ रहे हैं, ने हमारे साथ दुर्गा पूजा की अपनी यादें साझा कीं। जयदीप का जन्म और पालन-पोषण कोलकाता में हुआ। हालाँकि वे जन्म से बंगाली नहीं हैं, लेकिन उनका संस्कृति और भोजन से गहरा नाता है। दुर्गा पूजा की अपनी यादें साझा करते हुए, वे कहते हैं, मेरी सभी दुर्गा पूजा की यादें खास हैं, लेकिन अगर मुझे अपनी सबसे प्यारी याद चुननी हो, तो वह तब की होगी जब मेरे पिताजी मेरे लिए एक धोती पंजाबी लाए थे जो मुझे बचपन में बहुत पसंद थी। मैंने इसे स्कूल जाते समय एक दुकान में देखा था। यहाँ मुंबई में, मेरा सिर्फ़ एक बंगाली दोस्त है, लेकिन हम हर साल अष्टमी पर दर्शन के लिए बाहर जाते हैं और एक विशेष पुष्पांजलि चढ़ाते हैं।

देव साहब ने मुझे प्रोत्साहित किया था

अभिनेत्री दीपशिखा नागपाल का शोबिज में सफर काफी खास रहा है। कलर्स टीवी पर मेघा बरसेंग में नजर आने वाली अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें अभिनय शुरू करने के लिए दिग्गज देव आनंद ने ही प्रोत्साहित किया था।÷मेरा परिवार, खास तौर पर मेरे नानाजी, पहले से ही फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थे। मूक फिल्मों के दौर से ही मेरे नानाजी ने दादा मुनि (अशोक कुमार) और महमूद जैसे दिग्गजों को मौका दिया था। मेरी मां गुजराती फिल्मों में हीरोइन थीं और मेरे पिता निर्देशक, लेखक और अभिनेता थे। दिग्गज देव आनंद अपनी फिल्म के लिए लड़कियों की तलाश कर रहे थे और मेरी मां मुझे और मेरी बहन को उनसे मिलवाने ले गईं। मुझे आश्चर्य हुआ कि देव साहब मेरी बहन को नहीं, बल्कि मुझे साइन करना चाहते थे, जबकि वह अभिनेत्री बनने की ख्वाहिश रखती थी।

गुरु रंधावा को याद आ गए अरिजित सिंह

सारेगामापा के एपिसोड में राजस्थान के चेतन भरंगा 'ओ रंगरेज़' गाने पर एक दिल छू लेने वाली प्रस्तुति देते नजर आएंगे, जिसे सुनकर मेंटर गुरु रंधावा और दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। गुरु को चेतन की आवाज़ और उनके गाने का अंदाज़ इतना पसंद आया कि उन्होंने कह दिया कि उनमें एक सच्चे प्लेटबैक सिंगर के सारे गुण हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह सुनकर उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सिंगर अरिजीत सिंह की याद आ गई। गुरु रंधावा ने कहा, ''मुझे लगता है आपकी आवाज़ में एक खामोशी है, आप बहुत ही सधे हुए कलाकार हैं। एक प्लेबैक सिंगर की आवाज़ में जिस एहसास की जरूरत होती है वो आपके पास है। मैं कभी किसी की तुलना किसी से नहीं करता क्योंकि मेरा मानना है कि तुलना आपकी खुशियों का दुश्मन होती है।

बुराई पर हमेशा अच्छाई की जीत होती है

कल हो ना हो और भूतनाथ जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं अभिनेत्री डेलनाज़ ईरानी, जो कभी कभी इत्तेफाक से, यस बॉस और शरारत जैसे शो का हिस्सा रही हैं, नवरात्रि मनाने के लिए उत्साहित हैं। इस त्यौहार से अपनी जुड़ाव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, बुराई पर हमेशा अच्छाई की जीत होती है, इसलिए यह बहुत प्रतीकात्मक है और मैं हमेशा इसी पर विश्वास करती हूं, न केवल नवरात्रि के दौरान, बल्कि यह मेरे जीवन का मंत्र है। मैं हमेशा सकारात्मक विचारों, सकारात्मक शब्दों और सकारात्मक कार्यों में विश्वास करती हूं।

फिल्मों में एयरफोर्स हीरोज के जज्बे को दर्शाने वाले टॉप 5 एक्टर्स!

फाइटर में ऋतिक रोशन

फाइटर में ऋतिक रोशन की स्क्वाड्रन लीडर शमशेर पठानिया की भूमिका डेरिंग ऑफिसर की एक बेहतरीन झलक थी, जो देश को बचाने के लिए जोखिम उठाने को तैयार हैं। फिल्म में उनके एड्रेनालाईन से भरे चेज सीक्केंस तुरंत चर्चा में आ गए।

'मौसम' में शाहिद कपूर

'मौसम' में शाहिद कपूर ने स्क्वाड्रन लीडर हरिंदर सिंह की भूमिका निभाई। उनकी भूमिका ने वास्तव में ऑफिसर्स द्वारा अपने देश के लिए किए गए व्यक्तिगत बलिदानों को दर्शाया। एक्टर को उनके शक्तिशाली चित्रण के लिए प्रशंसा मिली।

'गुंजन सक्सेना' में विनीत कुमार सिंह

'गुंजन सक्सेना÷ द कारगिल गर्ल' में विनीत कुमार सिंह ने फ्लाइट कमांडर ऑफिसर दिलीप सिंह की भूमिका निभाई और एक एक्टर के रूप में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।

'फाइटर' में दीपिका पादुकोण

'फाइटर' में दीपिका पादुकोण ने स्क्वाड्रन लीडर मीनल राठौर की भूमिका निभाई और एक यादगार प्रदर्शन किया। एक्शन थ्रिलर में उनके चेज सीक्केंस और फाइट सीक्केंस चर्चा का विषय बन गए।

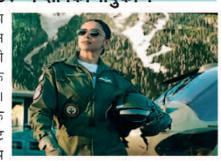

'तेजस' में कंगना रनौत

पुरुषों की दुनिया में एक महिला होना क्या होता है? कंगना की फिल्म 'तेजस' बस यही दिखाती है। ऐक्ट्रेस ने निडर एयरफोर्स पायलट तेजस गिल की भूमिका निभाई और कई फैंस को प्रेरित किया।

फिल्म शराबी का विचार कैसे आया

कौन बनेगा करोड़पति के 16वें सीजन में अलीगढ़ के प्रतिभागी दिनेश कुमार हॉटसीट पर आ रहे हैं। जैसे-जैसे गेमप्ले आगे बढ़ा, श्री बचन ने 1984 की क्लासिक फिल्म शराबी से जुड़ा एक सवाल पूछा। इससे फिल्म के निर्माण को याद करते हुए अमिताभ बचन ने बताया कि कैसे यह सब एक फ्लाइट के दौरान शुरू हुआ।हम कल्याणजी-आनंदजी के ऑर्केस्ट्रा के साथ न्यूयॉर्क से वेस्ट इंडीज जा रहे थे, और प्रकाश मेहरा हमारे साथ थे। फ्लाइट के दौरान प्रकाश जी ने शराबी का विचार सामने रखा। जब हम हवा में थे, तो उन्होंने पूरी कहानी बताई और मेरे विचार जानना चाहे। मैंने बस इतना कहा, 'ठीक है, चलो इस पर विचार करते हैं।' जब हम वापस लौटे, तो उन्होंने पहले ही स्क्रिप्ट लिख ली थी। हालाँकि, संवाद अविश्वसनीय रूप से लंबे थे - कुछ 2-3 पेज के थे! फिर उन्होंने प्रकाश मेहरा से जो कहा, उसे साझा किया÷ आपने मुझे पूरी फिल्म के लिए शराबी बना दिया, और शराबी को बोलने में समय लगता है। अगर मैं ये 4-पेज के संवाद बोलूं, तो फिल्म कई घंटों की हो जाएगी। कृपया इन्हें छोटा करें। प्रकाश जी सहमत हो गए, और संवाद संक्षिप्त कर दिए गए।

नवरात्रि मेरे लिए बहुत खास है

शैतानी रस्में शो में मालिक की भूमिका में कलाकार सिद्धांत इस्सर ने इस नवरात्रि के अवसर पर अपनी तैयारी और इससे जुड़ी पुरानी यादों को साझा किया।सिद्धांत इस्सर बताते हैं, नवरात्रि मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि मुझे गरबा खेलना बहुत पसंद है। मैं इसके गाने की धुन सुनते ही थिरकने लगता हूं। मुंबई से होने के नाते और मिथिबाई कॉलेज के पूर्व छात्र होते हुए मैंने कॉलेज के दिनों में सभी गरबा नाइट्स में भाग लिया। मेरा मानना है कि महिला का सम्मान इन नौ दिनों के साथ प्रतिदिन भी होना चाहिए। इस समय मुझे अपने चारों ओर की ऊर्जा बहुत सकारात्मक और उत्साहवर्धक लगती है।

राग दरबारी

पत्थर की लकीर

भरी दुपहरी में मंगू तुम!

अभी मंत्री जी की चुनावी सभा में पत्थर की लकीर का जादुई परिणाम देख कर आ रहा हूं।

तुझ पर जादू, तू खुद बड़ा जादूगर है। तेरी उस पत्थर की महिमा को नेताओं ने देखा ही नहीं जो चकमक पत्थर की तरह, जो हारे हुए को जिता दे। कन्ट्रोल रूम में हजारों जवानों की सुरक्षा में रखे हुए वोटिंग मशीन मदारी की मंशा पर नाचते बंदरों की तरह हैं । अच्छा अब सुनाओ मंत्री जी के भाषण के जादुई परिणाम का आंखों देखा हाल।

आप मुझे चने के झाड़ पर चढ़ा कर फिर कहते हो सुनाओ।

कसम खाकर सही सही।

हां मैं आतुर हूं सुनाने को जिसमें मेरा आर्थिक अर्थ ...! चुनावी सभा में रेवड़ी खाने की आदी पब्लिक भाषण नहीं, जुगाड़ के एजेंट तथाकथित नेता द्वारा दिए गए वायदा रूपी उस प्रलोभन में आती है जो कार्यकर्ता बैठक में पहले से ही साम व दाम की नीति से तय कर ली जाती है।

वाह मंगू! तेरा भी कमाल है , तुम तो चतुर्वेदी अर्थात साम दाम दण्ड भेद के ज्ञाता हो, बताओ चुनावी जीत की नीति।

एक वोट गांधी छाप नोट, कमल नाल पर बैठे ब्रह्मा, पी कर घर पूजो जगदम्बा। इसके लिए वार्ड बार बूथों की संख्या के मान से स्वयं सेवक तथा वोटर संख्यानुसार वित्तीय व्यवस्था स्वयं सेवकों के मानदेय के साथ। इसके अलावा क्षेत्रीय दादा, सुपर दादाओं की गोपनीय बैठक में पृथक से चुनाव जिताओ रणनीति के लिए चुनावी राशि का आबंटन। मतगणना अधिकारी कर्मचारियों की अलग सैल। और अधिक क्या समझाऊं,आप खुद समझदार हैं।

तेरा मतलब चुनावी सभा में वायदा करते हुए मंत्रीगण, राजनेता सभी ने रेवड़ी की पहली खेप वितरण का भरोसा दिलाते हुए कहा आदिवासी, गिरिवासी, वनवासी पिछड़े दलित को आज मंच से की गई प्रथम घोषणा पत्थर की लकीर समझना, दूसरी सभा में उप प्रधान, प्रधान आएंगे डबल इंजन सरकार आपकी सरकार, का भरोसा दिलाएंगे, घर नहीं मकान बनवाएगे, हर हाथ को काम हर हाथ में दाम रटी रटाई रेवड़ियां जो प्रत्येक चुनाव व रविवार को बंटती हैं, उस कागज पर वायदा निभाने की खींची गई पत्थर की लकीर कागज के पार निकल कर जनता का सिर और सीना एक साथ फ़ाड़ देगी फिर तुम कराना आयुष्मान कार्ड पर मुफ्त इलाज।

काम के तो रहेंगे नहीं इसलिए तुम अपने नेताओं को कह दो एक एक कटोरा फोटो खिंचवाते हुए जनता को बांटने को कहो। अगले चुनाव तक कटोरा खाली नहीं रहेगा यह मेरे मुंह से निकली वाणी अमृत की लकीर है।

मास्टरजी राजा भी तो राजनेता होते हैं। फिर राजा दशरथ के रानी कैकेई को दिए दो वचन, राजा हरिश्चंद्र की सत्य वाणी, महाराणा प्रताप का प्रण, राम की प्रतिज्ञाएं, सभी तो पत्थर की लकीर थीं जो सभी सनातनी थे।फिर हमारे राजनेता तो चिल्ला कर उच्चरित करते हैं,हम सनातनी कहते कम करते ज्यादा हैं, तो इनके मुखारविंद से उच्चरित चुनावी वायदे पत्थर की लकीर हुए कि नहीं! मंगू सिंह पटेल को मिल गया मनोनीत मंत्री पद का आश्वासन, अतः लूटपाट, बलात्कार, अपहरण, नृशंस अत्याचार करने की पूर्व घोषित दादागिरी दल को गोपनीय बैठक में किए गए वायदे भी पत्थर की लकीर हैं।

यही प्रजातंत्र की खींची गई अदृश्य कागज पर पत्थर की लकीर असली जन तंत्र है, जहां जिसकी लाठी उसकी भैंस का बोलबाला हो वह भी पत्थर की लकीर है।

समय आ गया है इन पंक्तियों पर चिंतन मनन करने का-
कह कर जो? मुकरे नहीं, ऐसा जो रणधीर।
कर दिखलाइए जो कहा, वह पत्थर की लकीर।

बच्चू लाल परमानंद दीक्षित
ग्वालियर 8349160755

क्या जम्मू-कश्मीर में फारूक कर सकते हैं खेला, बीजेपी से समझौते की अटकलें शुरु

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन ने शानदार जीत हासिल की है, जिससे क्षेत्र की राजनीति में नया मोड़ आ गया है। यह गठबंधन को बहुमत मिला है और अब वह सरकार बनाने की स्थिति में है, लेकिन इस बीच, सोशल मीडिया पर कई दावे किए जा रहे हैं, जिनमें बीजेपी और नेशनल कांफ्रेंस के बीच संभावित समझौते की बात भी कही जा रही है। नेशनल कॉन्फ्रेंस एक ऐसी पार्टी है, जिसका कांग्रेस और बीजेपी दोनों के साथ इतिहास रहा है। फारूक अब्दुल्ला ने कांग्रेस के सहयोग से राज्य में सरकार चलाई थी, जबकि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में 1999 में बीजेपी के साथ गठबंधन किया था। हाल के दिनों में, फारूक अब्दुल्ला ने मोदी सरकार की कुछ नीतियों की तारीफ की है, जिससे ये अटकलें लगाई जा रही है कि क्या बीजेपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस फिर साथ आ सकते हैं।

अगर ऐसा हुआ, तो इस गठबंधन से कई संभावित लाभ हो सकते हैं। सबसे पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस को सीधे तौर पर सत्ता में मजबूती प्रदान होगी, क्योंकि नई राज्य सरकार को उपराज्यपाल के हाथ में ज्यादा शक्ति होगी। ऐसे में केंद्र के साथ अच्छे संबंध होने से कई सरकारी फैसले लेने में आसानी होगी। इसके अलावा फारूक अब्दुल्ला की विकास योजनाओं के लिए केंद्र से वित्तीय मदद की जरुरत होगी, जो कि बीजेपी के साथ आने पर संभव हो सकेगी। हालांकि इस तरह के गठबंधन में चुनौतियां भी होती हैं। स्थानीय स्तर पर इस गठबंधन का विरोध हो सकता है और इसे विश्वासघात के रूप में देखा जा सकता है। अगर नेशनल कॉन्फ्रेंस और मोदी सरकार के बीच तालमेल नहीं बैठा, तो राजनीतिक अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है।

उपचुनाव में दिखेगा त्रिमूर्ति का दम

सीएम मोहन, शिवराज और वीडी जिताएंगे मोर्चा

इंदौर। मप्र की दो विधानसभा सीटों बुधनी और विजयपुर में उपचुनाव का बिगुल कभी भी बज सकता है। इसको लेकर भाजपा और कांग्रेस ने अपनी तैयारियां तेज कर दी है। भाजपा दोनों विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को हर हाल में जीतना चाहती है। इसके लिए सत्ता और संगठन के साथ ही भाजपा की त्रिमूर्ति यानी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालेंगे। यानी इन तीनों नेताओं पर भाजपा को जिताने की जिम्मेदारी रहेगी।

विजयपुर विधानसभा सीट रामनिवास रावत के इस्तीफा देने से रिक्त हुई है। रामनिवास रावत कांग्रेस छोडक़र भाजपा में शामिल हो गए और मंत्री बनाए गए हैं। परंपरागत बुधनी सीट पर जीत का अंतर बरकरार रखने की जिम्मेदारी तो केंद्रीय कृषि मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर है, वहीं श्योपुर की विजयपुर सीट पर वन एवं पर्यावरण मंत्री रामनिवास रावत की प्रतिष्ठा बचाने के लिए संगठन और सरकार जुट गए हैं। भाजपा संगठन ने राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा को बुधनी विधानसभा सीट का प्रभारी और पूर्व मंत्री रामपाल सिंह को सह प्रभारी बनाया गया है। ये नेता दोनों क्षेत्रों में प्रवास करेंगे और प्रत्याशी के बारे में पार्टी को सलाह देंगे। अब भाजपा का फोकस बूथवार वोट प्रतिशत बढ़ाने पर हैं। बुधनी के लिए प्रत्याशी चयन को लेकर नामों का पैनल बनाया जा रहा है।

विजयपुर से रावत, बुधनी में कई दावेदार

श्योपुर जिले की विजयपुर सीट से भाजपा का प्रत्याशी लगभग तय है। वन एवं पर्यावरण मंत्री रामनिवास रावत यहां से चुनाव लड़ेंगे।वहीं बुधनी में कई दावेदार सक्रिय हैं। बुधनी विधानसभा सीट पर 20 साल से अधिक समय से भाजपा का कब्जा रहा है।

यहां से शिवराज सिंह चौहान चुनाव जीतते रहे हैं। बुधनी से शिवराज के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान, पूर्व सांसद रमाकांत भार्गव, किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रहे रवीश चौहान टिकट की रेस में हैं। वर्ष 2005 में शिवराज सिंह के लिए सीट खाली करने वाले पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह भी टिकट की दौड़ में हैं। विजयपुर में रामनिवास रावत ही भाजपा प्रत्याशी होंगे।

कांग्रेस विजयपुर सीट पर भाजपा के पूर्व विधायक सीताराम आदिवासी पर दांव लगाना चाहती थी। सीताराम ने ही वर्ष 2018 में भाजपा के टिकट पर रामनिवास रावत को हराया था लेकिन भाजपा ने वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में सीताराम आदिवासी का टिकट काटकर बाबूलाल मेवरा को दे दिया था। सीताराम ने समय-समय पर अपनी नाराजगी भी जताई। भाजपा ने उन्हें सहरिया विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष बना दिया। अब कांग्रेस किसी दूसरे आदिवासी प्रत्याशी के नाम पर भी विचार कर रही है।

कांग्रेस कराएगी सर्वे

दोनों सीटों पर प्रत्याशी चयन के लिए कांग्रेस ने प्रभारी नियुक्त कर दिए हैं और अब सर्वे भी कराया जाएगा। यह काम पार्टी के ही अन्य जिलों के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के माध्यम से होगा। प्रभारियों की रिपोर्ट और सर्वे में आए नाम को स्थानीय समीकरणों के हिसाब से देखते हुए केंद्रीय चुनाव समिति को भेजा जाएगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव को बुधनी और राज्य सभा सदस्य अशोक सिंह को उपचुनाव के लिए समिति का प्रमुख बनाया है। उधर, सागर जिले की बीना विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता को लेकर निर्णय भी इसी सप्ताह हो जाएगा। विधानसभा सचिवालय ने उन्हें एक सप्ताह में अपनी दलीय स्थिति स्पष्ट करने का अंतिम अवसर दिया है। बता दें, वह भाजपा में शामिल हो गई हैं लेकिन कांग्रेस से इस्तीफा नहीं दिया है।

तैयारियों में जुटे मुख्यमंत्री मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहले से ही उपुचनाव की तैयारियों में जुटे हुए हैं। उन्होंने सबसे पहले 13 जुलाई को वन मंत्री रामनिवास रावत की तरफ से आयोजित भागवत कथा में शिरकत की थी। दूसरी बार 10 अगस्त को लाड़ली बहना योजना कार्यक्रम में शामिल होने मुख्यमंत्री विजयपुर पहुंचे। 22 अगस्त को कराहल तहसील मुख्यालय पर तेंदूपत्ता बोनस वितरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने शिरकत की।

हरियाणा में वोट प्रतिशत बराबर फिर भी सिर पर सजने वाला ताज छिन गया

नई दिल्ली। हरियाणा चुनाव के नतीजों ने कांग्रेस के सिर सजने वाला ताज अचानक छिन गया। वहीं जम्मू कश्मीर में भले ही कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर जीत हासिल की हो, लेकिन इसमें उसका प्रदर्शन सीमित है। हरियाणा में बीजेपी 39.94 फीसदी और कांग्रेस 39.09 फीसदी वोट पाकर भी कांग्रेस ग्यारह सीटों के अंतर से सत्ता पाने से चूक गई।

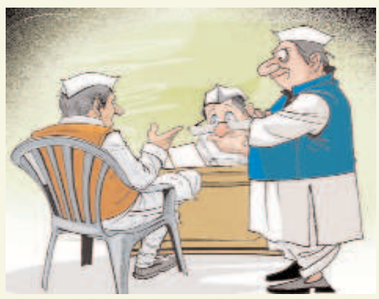

जम्मू कश्मीर में कांग्रेस करीब 12 फीसदी वोट पाकर सिर्फ छह सीटें जीती है। जम्मू संभाग में जहां उसे बीजेपी को रोकना था, वहां कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। यहां 29 सीटों पर लड़ने वाली कांग्रेस महज एक सीट जीत पाई, जबकि पांच सीटें उसे कश्मीर संभाग से मिली है। 2014 में कांग्रेस को जम्मू में पांच सीटें मिली थीं। हरियाणा में आपसी नतीजों और गुटबाजी ने कांग्रेस की जीती हुई बाजी को पलट दिया।

सीएम पद को लेकर भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला की बयानबाजी एक बार फिर पार्टी के लिए भारी पड़ गई। इस गुटबाजी का नतीजा यह रहा कि सैलजा चुनाव प्रचार में निकली हीं नहीं, जबकि सुरजेवाला अपने बेटे के चुनाव को लेकर कैथल में उलझे रहे। आपसी गुटबाजी व कलह ने

नेताओं की बयानबाजी व गुटबाजी ने कांग्रेस की जीती बाजी पलटी

जमीन पर लोगों के बीच कांग्रेस की जीत की संभावनाओं को धूमिल कर दिया।

इसके अलावा, जमीन पर काम करने वाले अपने कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर चुनाव से ऐन पहले पार्टी में शामिल होने वालों को टिकट और तवज्जो देना भी पार्टी को भारी पड़ गया। जीत की संभावनाओं पर फूली कांग्रेस जब चुनाव प्रचार के खत्म होने से महज कुछ घंटों पहले अशोक तंवर की वापसी कराती है तो इसे भी जमीन पर पार्टी का आत्मविश्वास और अहंकार माना गया। वहीं कांग्रेस की हार का एक बड़ा कारण नेताओं के अपने अहंकार के चलते आम आदमी पार्टी के साथ तालमेल न होना भी है।

राहुल गांधी के कहने के बाद भी प्रदेश नेतृत्व इसके लिए तैयार नहीं था। नतीजा, आम आदमी पार्टी, कांग्रेस-बीजेपी के करीब 0.84 फीसदी के अंतर से ज्यादा 1.90 वोट ले गई। अगर तालमेल होता तो कांग्रेस शायद सरकार में होती। हुड्डा की सक्रियता के चलते जाट वोटों को साधते-साधते कांग्रेस प्रदेश की बाकी बिरादरियों पर फोकस नहीं कर पाई। यही वजह कांग्रेस की हार का कारण बनी।

वहीं दलित वोटों को अपना मानने

वाली कांग्रेस दलितों को भी पूरी तरह साधने में नाकाम रही। बीएसपी और चंद्रशेखर आजाद के साथ जाट दलों के तालमेल ने भले ही अपने लिए कोई खास करिश्मा न किया हो, लेकिन कांग्रेस का खेल बिगाड़ दिया। इन नतीजों का असर आने वाले दिनों में महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों से लेकर विपक्ष की रणनीति पर भी पड़ेगा। महाराष्ट्र और झारखंड में कांग्रेस की बारगेनिंग पावर कमजोर होगी। महाराष्ट्र में भी कांग्रेस के पास बड़े नेताओं की फौज और उनके अहंकार हैं, जो पार्टी हितों पर भारी पड़ सकते हैं। ऐसे में कांग्रेस लीडरशिप को इनकी आंकाक्षाओं और बयानबाजियों पर रोक लगानी होगी। इन नतीजों का असर कहीं न कहीं इंडिया गठबंधन के भीतरी समीकरणों पर भी पड़ेगा।

सभी संगठन संयुक्त रूप से करेंगे आंदोलन की तैयारी

इंदैर। पदोन्नति, नियमितीकरण, महंगाई भत्ता, महंगाई राहत, ग्रेड-पे में संशोधन सहित अलग-अलग संगठनों की मांगों को लेकर कर्मचारी आंदोलन करेंगे। तीन चरणों में होने वाले इस आंदोलन की तारीख 14 अक्टूबर को बुलाई गई बैठक में तय की जाएंगी। आंदोलन की रूपरेखा पर मध्य प्रदेश अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा की बैठक में मंथन किया गया। बैठक बुधवार को गीतांजली चौराहा स्थित कर्मचारी भवन में आयोजित की गई। मोर्चा के अध्यक्ष एमपी द्विवेदी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में 22 मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों के प्रांताध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित हुए। यहां तय किया गया कि सभी संगठन अपनी जिला इकाई को आंदोलन के बारे में सूचित करेंगे और मोर्चा की रणनीति के अनुसार तैयारी करेंगे। सभी संवर्ग के कर्मचारियों की मांगों और मुख्य सचिव से मिलकर मांगों-समस्याओं पर ध्यान आकृष्ट कराते हुए आंदोलन की जानकारी देने पर चर्चा हुई। नेताओं ने कहा कि मुख्य सचिव से मांगों-समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हो जाती है, तो ठीक वरना जल्द ही आंदोलन करेंगे।

सभी संगठनों का समर्थन ले रहा मोर्चा-मध्य प्रदेश में साल 2010 के बाद से कर्मचारियों का कोई प्रभावी आंदोलन नहीं हुआ है। इस बार कर्मचारी राज्य सरकार को अपनी ताकत दिखाने के मूड में हैं। इसलिए जिला एवं विकास खंड स्तर तक आंदोलन की रणनीति बनाई जा रही है। कर्मचारियों को बताया जा रहा है कि चुप बैठने और बंटे रहने से मांगें पूरी नहीं होंगी, इसलिए एक छत के नीचे आकर लडऩा पड़ेगा। एक प्रभावशाली आंदोलन करना पड़ेगा।

हरियाणा में हार का असर दिख रहा महाराष्ट्र की चुनावी रणनीति में

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होना है। अभी तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन राजनैतिक दल चुनावी तैयारियों में जुटे हुए हैं। इसी बीच हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणामों ने कांग्रेस के सपने को चकनाचूर कर दिया। इसका असर महाराष्ट्र में दिखने लगा और कांग्रेस सहित तमाम भाजपा विरोधी दल काफी व्यथित हैं। कुल मिलाकर हरियाणा में हार का मातम महाराष्ट्र में दिखाई दे रहा है। अब चुनावी रणनीति के बदलाव पर विचार शुरु हो गया है।

बता दें कि महाराष्ट्र में इसी साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। सीट शेयरिंग को लेकर महाविकास अघाड़ी में बैठकों का दौर जारी है। लोकसभा चुनाव प्रदर्शन की बात करें तो कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों में 17 सीटों में से 13 पर जीत दर्ज की थी। इसी तरह शरद पवार की एनसीपी ने 10 में से 8 सीटों पर जीत दर्ज की थी। शिवसेना यूबीटी ने लोकसभा चुनाव में 21 सीटों पर चुनाव लड़ा था और उसे सिर्फ 9 सीटों पर जीत मिली थी।

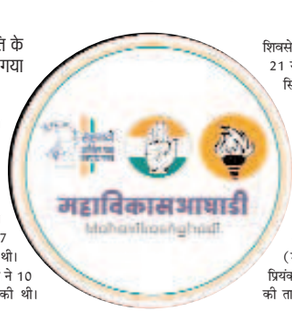

हरियाणा में बीजेपी की शानदार जीत का असर अब महाराष्ट्र की सियासत पर भी देखने को मिल रहा है। मंगलवार को जब बीजेपी ने राज्य की सत्ता पर तीसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ कब्जा जमाया तो महाविकास अघाड़ी दल का हिस्सा शिवसेना (उद्धव गुट) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने बीजेपी की रणनीति की तारीफ की। शिवसेना सांसद के इस बयान पर अब कांग्रेस ने नाराजगी जाहिर की है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, इतनी एंटी इन्कम्बेन्सी के बावजूद अगर भाजपा सरकार बना रही है तो मैं उसको बधाई देना चाहूंगी।

उन्होंने अपना कैम्पेन अच्छा चलाया, हरियाणा की जनता का विश्वास जीतने में कामयाब रहे। लोगों में बीजेपी के प्रति नाराजगी भी थी, लेकिन उन्होंने वोट भी उसे ही दिए। कहीं न कहीं कांग्रेस पार्टी को भी अपनी रणनीति देखनी पड़ेगी। जब भाजपा के साथ सीधी लड़ाई होती है तो कांग्रेस कमजोर पड़ जाती है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com